राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 203 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, बुधवार ,13 जनवरी 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

विवेक ओबेरॉय के साले आदित्य अल्वा गिरफ्तार

बेंगलुरु, (एजेंसी)। सैंडलवुड ड्रग्स मामले में बेंगलुरु पुलिस की केंद्रीय अपराध शाखा ने आदित्य अल्वा को सोमवार रात गिरफ्तार किया गया। कर्नाटक में पुलिस पिछले कई महीने से ड्रग्स की तस्करी करने वाले और रेव पार्टी के आयोजकों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। सोमवार देर रात आदित्य अल्वा को पुलिस ने चेन्नई से गिरफ्तार किया। वह चार महीने से फरार चल रहे थे। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी, जिसके बाद उन्हें पकड़ा जा सका है। आदित्य पूर्व मंत्री दिवंगत जीवराज अल्वा के बेटे हैं और अभिनेता विवेक ओबेरॉय के साले लगते हैं।

तमिलनाडु में 19 से 10वीं 12वीं के लिए खुलेंगे स्कूल

चेन्नई, (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के पलानीस्वामी ने मंगलवार को यहां घोषणा की कि 19 जनवरी से दसवीं और बारहवीं कक्षा के छात्रों के लिए स्कूल फिर से खुल जाएंगे और प्रत्येक कक्षा में 25 से अधिक छात्र नहीं होंगे। यह कदम छात्रों के हितों को ध्यान में रखकर लिया जा रहा है (जो मार्च-अप्रैल के दौरान कई सरकारी परीक्षाओं में बैठने वाले हैं) और उन्हें रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले विटामिन और जिंक के टैबलेट प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि स्कूलों को सरकार के एसओपी का पालन कर केवल इन दो कक्षाओं के संचालन की अनुमति दी जाती है।

कश्मीर विवि की अंडर ग्रेजुएट परीक्षा स्थगित

श्रीनगर, (एजेंसी)। कश्मीर विश्वविद्यालय ने मंगलवार और बुधवार (12 और 13 जनवरी) को होने वाली सभी अंडर ग्रेजुएट परीक्षाओं को स्थगित कर दिया है। परीक्षा नियंत्रक ने कहा कि 12 और 13 जनवरी को होने वाली सभी अंडर ग्रेजुएट परीक्षाओं को स्थगित किया गया है। इससे पहले कश्मीर विश्वविद्यालय ने उन सभी परीक्षाओं को स्थगित किया था जो कश्मीर घाटी में भारी हिमपात के बाद आठ जनवरी से आयोजित होने वाली थीं। उन्होंने कहा कि सभी परीक्षाओं की नई तिथियां शीघ्र अधिसूचित की जाएंगी और जो विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध होंगी।

आरबीआई ने सहकारी बैंक का लाइसेंस किया रद्द

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि उसने महाराष्ट्र के उस्मानाबाद में स्थित वसंतदादा नगरी सहकारी बैंक का लाइसेंस रद्द कर दिया है। आरबीआई ने कहा कि बैंक अपनी मौजूदा वित्तीय स्थिति के हिसाब से अभी के जमाकर्ताओं का पूरा पैसा वापस नहीं कर पायेगा। इसी कारण उसका लाइसेंस रद्द किया गया है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि सहकारी बैंक का लाइसेंस रद्द करने और परिसमापन की प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही वसंतदादा नगरी सहकारी बैंक के जमाकर्ताओं का पैसा लौटाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी जाएगी।

सीपीआरआई को ड्रोन के इस्तेमाल की अनुमति

नई दिल्ली,(एजेंसी)। सरकार ने शिमला स्थित केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान (सीपीआरआई) को शोध कार्य के लिए खेती में ड्रोन के इस्तेमाल की अनुमति दे दी है। सीपीआरआई ने पिछले महीने नागरिक उड्डयन मंत्रालय से अनुरोध किया था कि उसे शोध कार्यों के लिए होने वाली खेती में ड्रोन के इस्तेमाल की छूट दी जाये। मंत्रालय ने संस्थान को इसकी अनुमति दे दी है। ड्रोन का इस्तेमाल करते समय सीपीआरआई को नागर विमानन महानिदेशालय के जारी निर्देशों का पालन करना होगा।

गुजरात में गाय में भी बर्ड फ्लू, कौओं के बाद कई गायों की मौत

सूरत, (एजेंसी)। देश में दिल्ली, महाराष्ट्र और उत्तराखंड में भी सोमवार को बर्ड फ्लू के मामलों की पुष्टि हुई है। वहीं, इस फ्लू का कहर अब अब देश के 10 राज्यों में फैल चुका है। वहीं, आ रही खबरों के मुताबिक दिल्ली, महाराष्ट्र ने पोल्ट्री उत्पादों की खरीद-फरोख्त में कुछ प्रतिबंध लगाए हैं साथ ही बर्ड फ्लू के रोकथाम के कदम भी उठाए गए हैं।

मची खलबली

दूसरी तरफ, एक हैरान कर देने वाली खबर सूरत से है, जहाँ सूबे में सूरत सहित अन्य तीन जिलों में मिला बर्ड फ्लू अब गायों को भी संक्रमित करने लगा है। जिससे खलबली मच गई है। जानकारी के मुताबिक, बर्ड फ्लू की वजह से सूरत जिले के बारडोली और वडोदरा जिले के सावली क्षेत्र में कई गायों की मौत हो चुकी है। दोनों जगह से भेजे गए सैंपल की सोमवार को आई रिपोर्ट में एवियन इन्फ्लूएंजा (बर्ड फ्लू) की पुष्टि हुई है। बारडोली में मरे कौओं में रविवार को ही पुष्टि हो चुकी थी।

सूरत में पशुपालन विभाग की डिप्टी डायरेक्टर नीलम दवे ने बताया कि, बारडोली क्षेत्र में दो स्थलों से गायों के सैंपल लेकर भोपाल भेजे गए थे। बर्ड फ्लू की आशंका अब सूरत शहर तक भी पहुंच गई है। शहर के सिंगणपोर में भी पानी की टंकी के पास एक और रिंग रोड टोरेंट पावर हाउस के पास चार कौवे मरे मिले है। हालांकि, इस सम्बन्ध में आरएओ जे बारोठ का कहना है कि, अभी तक इन कौओं में बर्ड फ्लू के लक्षण नहीं मिले हैं। इधर, गुजरात के तीसरे जिले वड़ोदरा के सावली तहसील के वसंतपुरा गांव में 30 कौओं की अचानक मौत हो गई थी। आपको बता दें कि, बता दें कि सावली तहसील में 25 गायों की मौत हुई थी।

किसान आंदोलन पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला- तीनों कृषि कानूनों पर अगले आदेश तक रोक, कमेटी का गठन

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने तीनों कृषि कानूनों के अमल पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। देश की सर्वोच्च अदालत ने इस मामले में विवाद के समाधान के लिए चार सदस्यीय कमेटी का गठन किया है और कहा कि अगले आदेश तक तीनों कानूनों के अमल पर रोक लगी रहेगी। इस कमिटी में बीकेयू के एचएस मान, प्रमोद कुमार जोशी, अशोक गुलाटी और अनिल घनवट सदस्य होंगे। चीफ जस्टिस एस ए बोबडे, जस्टिस ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति वी रामा सुब्रमणियन की बेंच ने सभी पक्षों को सुनने के बाद कहा कि इन कानूनों के अमल पर अगले आदेश तक के लिए रोक लगाई जाती है। वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए सुनवाई के दौरान बेंच ने सख्त लहजे में कहा कि कोई भी ताकत उसे इस तरह की कमेटी गठित करने से रोक नहीं सकती है।

कोर्ट की ओर से नियुक्त कमेटी से आंदोलनरत किसान संगठनों के बात नहीं करने की खबरों के बारे में शीर्ष अदालत ने टिप्पणी की कि जो वास्तव में इस समस्या का समाधान चाहते हैं, वे कमेटी के साथ सहयोग करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने किसानों से कहा कि यह राजनीति नहीं है, किसानों को इस कमेटी के साथ सहयोग करना चाहिए। बेंच ने कहा कि हम देश के नागरिकों की जान-माल की हिफाजत को लेकर चिंतित हैं और हम इस समस्या को हल करने का प्रयास कर रहे हैं।

ये तीन कृषि कानून हैं-- कृषक (सशक्तिकरण एवं संरक्षण) कीमत आश्वासन और कृषि सेवा करार, कानून, 2020, कृषक उत्पाद व्यापार एवं वाणिज्य (संवर्धन एवं सरलीकरण) कानून, 2020 और आवश्यक वस्तु (संशोधन) कानून। राष्ट्रपति रामनाथ कोविद की संस्तुति मिलने के बाद से ही इन कानूनों को वापस लेने की मांग को लेकर किसान आंदोलन कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कल ही स्पष्ट संदेश दे दिया था कि वह इस मसले को कमेटी के पास भेजेगी। आज जब कोर्ट में सुनवाई शुरू हुई तो किसानों ने कमेटी के पास जाने से मना कर दिया, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाई और कहा कि दुनिया की कोई ताकत उसे कमेटी बनाने से नहीं रोक सकती। किसानों के वकील ने शर्मा ने कहा था कि किसान कमेटी के सामने नहीं जाना चाहते हैं। मगर अटॉर्नी जनरल ने कहा कि कमेटी अच्छा विचार है, हम इसका स्वागत करते हैं।

उसने किसानों के प्रदर्शन पर कहा, हम जनता के जीवन और सम्पत्ति की रक्षा को लेकर चिंतित हैं। न्यायालय ने साथ ही किसान संगठनों से सहयोग मांगते हुए कहा कि कृषि कानूनों पर जो लोग सही में समाधान चाहते हैं, वे समिति के पास जाएंगे।

याचिकाकर्ताओं में से एक के लिए पेश होने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे का कहना है कि कानूनों को लागू करने पर रोक को राजनीतिक जीत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसे कानूनों पर व्यक्त चिंताओं की एक गंभीर परीक्षा के रूप में देखा जाना चाहिए। इससे पहले सीजेआई ने कहा कि समिति इस मामले में न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा है। हम कानूनों को निलंबित करने की योजना बना रहे हैं लेकिन अनिश्चित काल के लिए नहीं होगा।

किसानों को फटकार- सीजेआई ने कहा कि हम एक समिति इसलिए बना रहे हैं ताकि हमारे पास एक स्पष्ट तस्वीर हो। हम यह तर्क नहीं सुनना चाहते कि किसान समिति में नहीं जाएंगे। हम समस्या को हल करने के लिए देख रहे हैं। अगर आप (किसान) अनिश्चितकालीन आंदोलन करना चाहते हैं, तो आप ऐसा कर सकते हैं। चीफ जस्टिस ने कहा कि यह समिति हमारे लिए होगी। आप सभी लोग जो इस मुद्दे को हल करने की उम्मीद कर रहे हैं, इस समिति के समक्ष जाएंगे। यह न तो कोई आदेश पारित करेगा और न ही आपको दंडित करेगा, यह केवल हमें एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।

अब वंशवाद की राजनीति खत्म होने का वक्त आया: प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारतीय राजनीति में भ्रष्टाचार एवं भाई-भतीजा वाद के स्थान पर ईमानदारी एवं प्रदर्शन को जगह मिल रही है। देश के युवाओं को परिवार आधारित राजनीति को समाप्त करने एवं लोकतांत्रिक परंपराओं की रक्षा के लिए आगे आना चाहिए।

श्री मोदी ने यहां स्वामी विवेकानंद की 158वीं जयंती पर के मौके पर संसद के केन्द्रीय कक्ष में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय युवा संसद के समापन समारोह को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए यह आह्वान किया और कहा कि देश को नई पीढ़ी को नेतृत्व देने के लिए तैयार होने की आवश्यकता है। इस मौके पर केन्द्रीय कक्ष में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केन्द्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक और केन्द्रीय खेल एवं युवा मामलों के

मंत्री किरेन रिजीजू मौजूद थे।

उन्होंने कहा कि बीते दिनों में भाई भतीजावाद की राजनीति देखी गई। यह अभी पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है। अभी भी कुछ लोग हैं, जो अपने परिवार की स्थिति को बचाने के लिए ही राजनीति कर रहे हैं। ऐसे लोगों के लिए 'मेरा परिवार मेरा हित' पहले आता है, 'देश सर्वोपरि' बाद में। भारत के युवाओं को इस परिवार आधारित राजनीति को समाप्त करने की जरूरत है। हमारी लोकतांत्रिक परंपराओं की रक्षा बहुत महत्वपूर्ण है। युवाओं को संसद में लाया जाना जरूरी है और हमें अगली पीढ़ी को देश के भविष्य का नेतृत्व देने के लिए तैयार होने की आवश्यकता है।प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले देश में ये धारणा बन गई थी कि अगर कोई युवक राजनीति की तरफ रुख करता था तो घर वाले कहते थे कि बच्चा बिगड़ रहा है। क्योंकि राजनीति का मतलब ही बन गया था- झगड़ा, फसाद, लूट-खसोट, भ्रष्टाचार। लोग कहते थे कि सब कुछ बदल सकता है लेकिन सियासत नहीं बदल सकती। लेकिन आज राजनीति में ईमानदार लोगों को भी मौका मिल रहा है। ईमानदारी एवं प्रदर्शन आज की राजनीति की पहली अनिवार्य शर्त होती जा रही है।

वाशिंगटन में 24 तक इमरजेंसी

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने निर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडेन के 20 जनवरी को पदभार ग्रहण करने से पहले किसी भी अप्रिय घटना की आशंका को देखते हुए राजधानी वाशिंगटन में 24 जनवरी तक आपातकाल की घोषणा की है।

हिंसा की आशंका के चलते लिया फैसला

व्हाइट हाउस की सोमवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार श्री ट्रम्प ने श्री बाइडेन के 20 जनवरी को शपथ ग्रहण समारोह से पहले और उस दौरान हिंसा की आशंका को लेकर स्थानीय एवं संघीय अधिकारियों की बढ़ती चिंताओं के बीच देश की राजधानी में 11 जनवरी से 24 जनवरी तक आपातकालीन घोषणा की है।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार संघीय जांच एजेंसी (एफबीआई) ने श्री बिडेन के शपथ समारोह 20 जनवरी से पहले संसद भवन 'कैपिटल बिल्डिंग' सहित सभी 20 राज्यों में सशस्त्र प्रदर्शन हिंसा की आशंका को लेकर चेतावनी जारी की है। इस बीच होमलैंड सुरक्षा मंत्री चाड वुल्फ ने बताया कि श्री बिडेन के शपथ ग्रहण समारोह से पहले वाशिंगटन में बुधवार से लॉकडाउन लागू किया जाएगा।

श्री वुल्फ ने कहा कि पिछले सप्ताह की घटनाओं और उभरते सुरक्षा परिदृश्य के बाद और सीक्रेट सर्विस के निदेशक जेम्स मरे की सिफारिश पर मैंने बुधवार 13 जनवरी से 19 जनवरी तक शपथ समारोह से पहले राष्ट्रीय विशेष सुरक्षा कार्यक्रम शुरू करने का निर्देश दिये है। उन्होंने कहा कि इसके लिए होमलैंड सुरक्षा विभाग को राज्य और स्थानीय अधिकारियों के साथ आवश्यकतानुसार समन्वय करने को कहा गया है। शपथ ग्रहण समारोह से पहले और उस दौरान हिंसा की आशंका को लेकर स्थानीय एवं संघीय अधिकारियों की बढ़ती चिंताओं के बीच देश की राजधानी के लिए एक आपातकालीन घोषणा जारी की। इस घोषणा के बाद गृह मंत्रालय और संघीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी को स्थानीय अधिकारियों के साथ आवश्यकतानुसार समन्वय करने की अनुमति मिल गई है।

कूटनीति विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा- अमेरिका से हो रहे रिश्ते मजबूत

एलएसी पर हिंसा से चीन पर घट गया भरोसा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि पिछले साल गर्मियों में सीमा झड़प के बाद से चीन पर भरोसा बेहद कम हो गया है, जिसमें 45 साल के बाद पहली बार दोनों देशों की सीमा पर सैनिक मारे गए। रॉयटर्स नेक्स कांफ्रेंस में उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका के साथ रिश्ता मजबूत हो रहा है और वॉशिंगटन में नए प्रशासन के तहत इसके विस्तार की संभावना है।

भारत और चीन के बीच जून में उस समय तनाव चरम पर पहुंच गया जब हिंसक झड़प में 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए तो चीन के भी कई सैनिक मारे गए, जिसकी संख्या का खुलासा अभी तक नहीं हुआ है। दोनों ही देशों ने सीमा पर बड़ी संख्या में सैनिक जमा किए हैं। दोनों देशों के बीच सीमा विवाद दशकों बाद इस तरह सैन्य संकट के रूप में उभरा है। 45 सालों के बाद, वास्तव में आपने वास्तव में सीमा पर रक्तपात किया है और इसका जनमत और राजनीतिक रूप से बड़ा असर है। जहां तक चीन के साथ रिश्ते और भरोसे-विश्वास की बात है, इस पर बहुत बुरा असर हुआ है।

दोनों देशों में 1962 में युद्ध हुआ था, उसके बाद से आमतौर पर दोनों देश सीमा पर तनाव को दूर रखने की कोशिश करते हुए व्यावसायिक रिश्तों को मजूबत कर रहे थे। अब पिछले साल, हमें पता नहीं किस वजह से, चीनी बड़ी संख्या में सीमा के एक ओर सैनिक ले आए और फिर लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल पर, निश्चित तौर पर जब हमने उन्हें आते तो देखा तो हम भी आगे बढ़े और इससे एसएसी पर कई जगह टकराव की स्थिति बन गई।

यूएस भागीदारों के लिए बहुत अधिक खुला

जयशंकर ने अमेरिका को लेकर कहा कि यूएस के साथ रिश्ते में उछाल है और वे बाइडेन प्रशासन में इसकी दिशा को लेकर आश्वस्त हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि जब मैं हमारी चुनौतियों की ओर देखता हूं, अमेरिका भागीदारों के लिए बहुत अधिक खुला है और मैं बहुत आश्वस्त हूं कि हम रिश्ते में कहां जा रहे हैं। भारत ने अमेरिका से पिछले 15 सालों में 20 अरब डॉलर के हथियार खरीदे हैं। अमेरिका के सहयोगियों जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ इनसे हिंद महासागर में नौसेना का युद्धाभ्यास किया है, जिसे एक्सपर्ट चीन पर दबाव के रूप में देख रहे हैं। जयशंकर ने कहा कि संरचनात्मक रूप से अमेरिका के साथ संबंध बहुत अच्छा है, इसमें बहुत ही अनोखे तत्व हैं, राजनीतिक नजदीकी, बढ़ती सुरक्षा और रक्षा निकटता है। जयशंकर ने यह भी कहा कि भारत किसी भी तरह की मुक्त व्यापार वार्ता को फिर से शुरू करने के लिए बिडेन प्रशासन के किसी भी प्रस्ताव या निमंत्रण का सकारात्मक जवाब देगा।

मेवे और मसालों के नाम पर अरबों की ठगी

नोएडा (एजेंसी)। पांच साल पहले 251 रुपए में स्मार्टफोन देने का झांसा देने वाले मोहित गोयल को उसके साथी के साथ पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस बार उस पर मेवे और मसालों के नाम पर हजारों लोगों से अरबों रुपए ठगने का आरोप है। पुलिस ने उसके पास से दो लग्जरी कारें और अन्य सामान बरामद किया है।

काजू-किशमिश घोटाला

अपर पुलिस आयक्त कानून व्यवस्था लव कुमार ने बताया कि मेवे और मसालों की थोक बिक्री करने वाले रोहित मोहन ने 24 दिसंबर को थाना सेक्टर-58 में शिकायत दर्ज कराई थी कि सेक्टर-62 में कुछ लोगों ने 'दुबई ड्राई फ्रूट्स हब' के नाम से कंपनी खोलकर 40 फीसदी रकम देकर उससे लाखो रुपये कीमत के मेवे और मसाले खरीदे तथा उसे 40 प्रतिशत रकम नकद और 60 प्रतिशत चेक के माध्यम से दी। यह चेक आगे की तारीख के थे जो बाद में बाउंस हो गए। इस संबंध में पूछताछ के लिए जब वह कंपनी में गया तो वहां पर कोई नहीं मिला और खुलासा हुआ कि इस तरह से उन्होंने और भी लोगों से ठगी की थी। जब पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू की तो पता चला कि उनके द्वारा देशभर में हजारों लोगों से अरबों रुपये की ठगी इसी प्रकार से की गई है।

कांग्रेस की मीटिंग में प्रभारी के सामने ही खूब चलीं कुर्सियां, मारपीट तक पहुंची नौबत

पटना । अपने दुर्दिन से जूझ रही कांग्रेस में अंतर्कलह और विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहे। बिहार के नवनियुक्त प्रभारी भक्त चरण दास की मौजूदगी में मंगलवार (12 जनवरी) को एक बार फिर मारपीट की नौबत आ गयी। पार्टी के बागी नेताओं में शामिल राजकुमार राजन को बोलने से रोकने पर पार्टी के नेताओं ने जमकर बवाल काटा। एक-दूसरे पर कुर्सियां फेंकी । पार्टी के दो गुट के नेता आमने-सामने आ गए और धक?का-मुक?की भी खूब हुई ।

पार्टी नेताओं की आज पहले दौर की बैठक शुरू होते ही किसान नेता राजकुमार राजन ने पार्टी के प्रदेश नेतृत्व पर मनमानी करने और विधानसभा चुनावों में टिकटों की खरीद बिक्री करने को लेकर आरोप लगाने शुरू कर दिए। उन्होंने अभी बोलना शुरू ही किया था कि प्रदेश नेतृत्व के कई नेताओं ने उनका विरोध करना शुरू कर दिया प्रभारी भक्त चरण दास यह सारा माजरा चुपचाप देख रहे थे।

राजकुमार राजन को लोग रोकने की बहुत कोशिश कर रहे थे पर वे लगातार बोलते जा रहे थे। जिसके बाद पार्टी के कुछ नेता उन्हें ललकारते हुए उनकी ओर बढ़े। जिसके बाद बागी खेमे के नेता भी सामने आ गए और पार्टी के दोनों गुटों के बीच खींचतान और धक्कामुक्की शुरू ही गयी। नेताओं ने एक दूसरे पर कुर्सियां भी चलाई।

इस बीच मंच पर मौजूद भक्त चरण दास, प्रदेश अध्यक्ष मदन मोहन झा, अजीत शर्मा जैसे नेता लगातार नेताओं को शांत कराने की कोशिश करते नजर आए। मगर नेता शांत होने का नाम नहीं ले रहे थे।

बीच-बचाव में कई और नेता कूदे तब जाकर बागी शांत हुए । इसके बाद बैठक की कार्यवाही आगे बढ़ सकी। यह पहला मौका नहीं जब कांग्रेस के दो गुट आपस मे भिड़े है। एक दिन पहले भी सोमवार को बागी खेमे ने प्रभारी की मौजूदगी में हंगामा किया था।

केंद्रीय मंत्री श्रीपद नाईक से मिले राजनाथ सिंह, कहा- वह खतरे से बाहर

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मंगलवार को केंद्रीय मंत्री श्रीपद नाइक का हालचाल जानने गोवा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (जीएमसीएच) पहुंचे। नाईक से मिलने के बाद राजनाथ सिंह ने बताया कि श्रीपद नाईक फिलहाल खतरे से बाहर हैं। रक्षा मंत्री ने यह भी बताया कि कैसे पीएम नरेंद्र मोदी मंत्री नाईक के सड़क हादसे में घायल होने से परेशान थे। सोमवार रात श्रीपद नाइक की एसयूवी कर्नाटक में सड़क हादसे का शिकार हो गई थी, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। हादसे में उनकी पत्नी और सहायक की मौत हो गई।

रक्षा मंत्री ने बताया कि उन्होंने गोवा के सीएम प्रमोद सावंत से भी बात की है। उन्होंने कहा, पीएम ने भी सीएम सावंत से बात की। इसके बाद उन्होंने मुझे फोन कर दुख जाहिर किया और मुझे यहां (गोवा) आने के लिए कहा। मैं भी यही सोच रहा था। श्रीपद नाईक अभी स्थिर हैं। डॉक्टरों का कहना है कि वह फिलहाल खतरे से बाहर हैं। नाइक की कल रात जीएमसीएच में कई सर्जरी की गयीं। एक अधिकारी ने बताया कि मंत्री की हालत स्थिर है। नाइक (68) की दोनों हाथों और एक पैर में फ्रैक्चर के लिए सर्जरी हुई।

राजनाथ सिंह ने यह भी बताया कि डॉक्टरों ने एम्स दिल्ली के डायरेक्टर से भी बात की है। यहां डॉक्टरों की एक टीम आएगी। अगर जरूरत पड़ी तो उन्हें इलाज के लिए दिल्ली लाया जाएगा। यह डॉक्टरों पर निर्भर करता है। उत्तरी गोवा से भाजपा सांसद और वर्तमान में केंद्रीय रक्षा राज्य और आयुष मंत्री नाइक को देर रात गंभीर हालत में पणजी के निकट जीएमसीएच लाया गया।

सिंह विशेष विमान से गोवा में आईएनएस हंसा बेस पर पहुंचे और दो बजकर 40 मिनट के आसपास जीएमसीएच गए, जहां नाइक का इलाज चल रहा है। दुर्घटना में नाइक के साथ कार में सवार उनकी पत्नी विजया और एक सहायक की मौत हो गई। यह हादसा उत्तर कन्नड़ जिले में अंकोला के निकट हुआ जब मंत्री कर्नाटक में धर्मस्थल से गोवा लौट रहे थे।

कर्नाटक में एक धर्मस्थल से गोवा लौटने के दौरान उत्तर कन्नड़ जिले में अंकोला के पास उनकी गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हुई। अंकोला में ही प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें गोवा मेडिकल कॉलेज में शिफ्ट कर दिया गया। यहां खुद मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत उन्हें देखने पहुंचे थे और बताया था कि वह खतरे से बाहर हैं और उनकी हालत अभी स्थिर है। आज केंद्रीय मंत्री की दो सर्जरी होनी हैं।

नाइक अपने परिवार के चार सदस्यों के साथ सुबह येलापुर में स्थित गणपति मंदिर गए थे और वहां पूजा-अर्चना करने के बाद शाम सात बजे के करीब गोकर्ण के लिए रवाना हुए। एनएच 66 से उनकी गाड़ी गोकर्ण के लिए शॉर्टकट लेने के चक्कर में पतली सड़क पर उतर गई। बताया जा रहा है कि सड़क की स्थिति बहुत खराब थी और ड्राइवर का गाड़ी पर नियंत्रण नहीं रहा, जिसकी वजह से यह हादसा हुआ।

कोरोना : जापान में वायरस का नया स्ट्रेन मिला

टोक्यो। अमेरिका और ब्रिटेन में वैक्सीनेशन शुरू हो चुका है, भारत में भी इसी हफ्ते वैक्सीनेशन शुरू होगा। वहीं, कोरोनावायरस का लगातार स्वरूप (म्यूटेशन) बदल रहा है। अब जापान में वायरस का नया स्वरूप सामने आया है। यह वहां ब्राजील से पहुंचा।

यह स्ट्रेन ब्रिटेन और साउथ अफ्रीका में मिले स्ट्रेन से अलग है। जापान सरकार के मुताबिक, चार लोगों में नया स्ट्रेन मिला है, जिनमें 40 साल का एक पुरुष, 30 साल की महिला और 2 किशोर है। इससे पहले जापान में ब्रिटेन और साउथ अफ्रीकी स्ट्रेन के करीब 30 मामले सामने आ चुके हैं। इस बीच, कोरोनावायरस के दुनिया में 9 करोड़ 06 लाख 88 हजार 733 मामले आ चुके हैं। अब तक 19 लाख 43 हजार 90 लोगों की मौत हो चुकी है। अच्छी बात यह कि 6 करोड़ 48 लाख 11 हजार 380 लोग ठीक भी हो चुके हैं।

80 साल जापानी सैनिकों की 'सेक्स गुलाम' रहीं ये महिलाएं, अब मिला इंसाफ

सियोल। दशकों से यौन दासी के रूप में इस्तेमाल हो रहीं कोरियाई महिलाओं को 80 साल बाद इंसाफ मिला है। साउथ कोरिया की एक अदालत ने इन महिलाओं के हक में कई दशक बाद फैसला सुनाया है। इन महिलाओं के साथ जापानी सैनिक दूसरे विश्व युद्ध के वक्त रोज रेप किया करते थे। साउथ कोरिया की राजधानी सियोल की केंद्रीय जिला अदालत ने बीते इन महिलाओं के हक में बड़ा फैसला सुनाया। साथ ही कहा कि 12 पीड़ित महिलाओं को

66-66 लाख रुपये जापान की ओर से दिए जाएं।

दूसरे विश्व युद्ध के वक्त बनाया था सेक्स गुलाम

जानकारी के लिए बता दें कि दूसरे विश्व युद्ध के वक्त जापानी सैनिकों ने साउथ कोरिया की महिलाओं को सेक्स गुलाम बना लिया था। इन महिलाओं को 'ष्द्वद्वशह्व 2ग्द्वद्वृ' नाम दिया गया था। इतना ही नहीं, एक खबर की रिपोर्ट के मुताबिक, एक दिन में अधिकतम 50 जापानी सैनिक इन महिलाओं का रेप और यौन शोषण करते थे।

पीड़ित महिलाओं ने 2013 में दायर की थी याचिका

यहां तक कि जापानी सैनिक की इस हैवानियत से पीड़ित कई महिलाओं को यौन संचारित बीमारी हो गई थी, जबकि कई महिलाएं अनचाहे तौर से प्रेग्नेंट भी हो गई थीं। कोर्ट ने फैसले में कहा कि इन महिलाओं को सेक्स गुलाम बनाना, इंसानियत के खिलाफ किया गया अपराध था। बता दें, पीड़ित महिलाओं ने 2013 में कोर्ट में याचिका दायर की थी।

जापान को मंजूर नहीं ये फैसला

वहीं जापान ने साउथ कोरिया की कोर्ट के इस फैसले का विरोध किया है। जापान का कहना है कि युद्ध के हर्जाने के मुद्दे को 1965 के एक समझौते में सुलझाया जा चुका है। लेकिन कोर्ट का कहना है कि 1910 से 1945 के बीच जापान ने गैरकानूनी रूप से कोरियाई क्षेत्र पर कब्जा कर लिया था और इसी दौरान महिलाओं को सेक्स गुलाम बनाया गया था। इसलिए स्वायत्त देश होने के बावजूद जापान मुकदमे से नहीं बच सकता।

सिर्फ कुछ ही महिलाएं हैं जीवित

आपको बता दें कि सेक्स गुलाम बनाई गई साउथ कोरिया की करीब 240 महिलाओं ने सरकार के साथ रजिस्ट्रेशन कराया था। हालांकि, अब इनमें से सिर्फ 16 जीवित हैं। इसके अलावा जिन 12 महिलाओं ने मुकदमा दर्ज कराया था, उनमें से भी आठ की मौत हो चुकी है। वहीं, 20 महिलाओं ने जापान के खिलाफ एक अलग मुकदमा दायर किया है, जिसका फैसला अगले हफ्ते आ सकता है। हालांकि, जानकारों का कहना है कि इसकी संभावना कम है कि जापान साउथ कोरिया की अदालत के फैसले को स्वीकार करेगा।

मुश्किल में ट्रम्पः ट्रम्प के खिलाफ फिर महाभियोग प्रस्ताव लाया जाएगा

पद पर रहते दूसरी बार इसका सामना करने वाले पहले यूएस प्रेसिडेंट

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। 20 जनवरी को प्रेसिडेंट इलेक्ट यानी जो बाइडेन का शपथ ग्रहण कार्यक्रम है यानी ट्रम्प अब अपने पद पर सिर्फ 9 दिन और रहेंगे। इस बीच, हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव की अध्यक्ष नेंसी पेलोसी ने ट्रम्प पर महाभियोग प्रस्ताव लाने की अनुमति दे दी है। ट्रम्प पर आरोप है कि 7 जनवरी को उन्होंने अपने समर्थकों को भड़काने का काम किया। इसी के चलते संसद (कैपिटल हिल) में हुई हिंसा में 5 लोगों की मौत हो गई।

खबर के मुताबिक, पेलोसी ने कहा कि हिंसा के मद्देनजर उपराष्ट्रपति माइक पेंस की जिम्मेदारी बनती है कि वे 25वें संशोधन के तहत ट्रम्प को उनके पद से हटाएं। डेमोक्रेट्स को लिखे पत्र में पेलोसी ने कहा कि अगर पेंस को कार्रवाई नहीं करते, उस स्थिति में महाभियोग पर वोटिंग होगी। अमेरिकी इतिहास में ट्रम्प पहले ऐसे राष्ट्रपति होंगे, जिन पर कार्यकाल में दूसरी बार महाभियोग प्रस्ताव लाया जाएगा।

'संविधान और लोकतंत्र को बचाना है': पत्र में पेलोसी ने लिखा, 'हमारे ऊपर संविधान और लोकतंत्र को बचाने की जिम्मेदारी है, लिहाजा हमें तुरंत

एक्शन लेना होगा। राष्ट्रपति से इन दोनों (संविधान और लोकतंत्र) को खतरा है। जैसे-जैसे दिन गुजरते जाएंगे, राष्ट्रपति द्वारा डेमोक्रेसी को नुकसान पहुंचाने की आशंका बढ़ती जाएगी।'

ट्रम्प का हर तरफ विरोध

रिपब्लिकन पार्टी के करीब 100 सांसद ऐसे हैं जिन्होंने साफ तौर पर गुरुवार की हिंसक घटनाओं के लिए सीधे तौर पर अपने नेता और राष्ट्रपति ट्रम्प को जिम्मेदार ठहराया। व्हाइट हाउस के डिप्टी नेशनल सिक्योरिटी ऑफिसर, एजुकेशन मिनिस्टर और तमाम मेंबर्स ऐसे हैं जिन्होंने इस्तीफे दे दिए।

7 जनवरी को क्या हुआ था?

अमेरिका में वोटिंग (3 नवंबर) के 64 दिन बाद संसद जो बाइडेन की जीत पर मुहर लगाने जुटी तो अमेरिकी लोकतंत्र शर्मसार हो गया। ट्रम्प के समर्थक दंगाइयों में तब्दील हो गए। कैपिटल हॉल में तोड़फोड़ और हिंसा की। यूएस कैपिटल वही बिल्डिंग है, जहां अमेरिकी संसद के दोनों सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स और सीनेट हैं। कुछ वक्त तक संसद की कार्यवाही रोक दी गई थी।

206 साल बाद अमेरिकी संसद में हिंसा हुई

यूएस कैपिटल हिस्टोरिकल सोसाइटी के डायरेक्टर सैम्युअल हॉलिडे ने एचओआर को बताया था कि 24 अगस्त 1814 में ब्रिटेन ने अमेरिका पर हमला कर दिया था। अमेरिकी सेना की हार के बाद ब्रिटिश सैनिकों ने यूएस कैपिटल में आग लगा दी थी। तब से अब तक पिछले 206 साल में अमेरिकी संसद पर ऐसा हमला नहीं हुआ।

पिछले साल भी लाया गया था महाभियोग प्रस्ताव

ट्रम्प के खिलाफ पिछले साल भी महाभियोग प्रस्ताव लाया गया था। ह्रक्रमें डेमोक्रेट्स के बहुमत के चलते यह पास हो गया था, लेकिन सीनेट में रिपब्लिकंस की मेजोरिटी के चलते गिर गया। ट्रम्प पर आरोप था कि उन्होंने बाइडेन के खिलाफ जांच शुरू करने के लिए यूक्रेन पर दबाव डाला था। निजी और सियासी फायदे के लिए अपनी शक्तियों का दुरुपयोग करते हुए 2020 रा?ट्रपति चुनाव में अपने पक्ष में यूक्रेन से मदद मांगी थी।

अमेरिका में राष्ट्रपति के खिलाफ अभियोग के मामले

1868 में अमेरिकी राष्ट्रपति एंड्रयू जॉनसन के खिलाफ अपराध और दुराचार के आरोपों पर हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में महाभियोग प्रस्ताव पास हुआ। उनके खिलाफ संसद में आरोपों के 11 आर्टिकल्स पेश किए गए। हालांकि, सीनेट में वोटिंग के दौरान जॉनसन के पक्ष में वोटिंग हुई और वे राष्ट्रपति पद से हटने से बच गए।

1998 में बिल क्लिंटन के खिलाफ भी महाभियोग लाया गया था। उन पर व्हाइट हाउस में इंटर्न रहीं मोनिका लेविंस्की ने यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। उन्हें पद से हटाने के लिए हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव में मंजूरी मिल गई थी, लेकिन सीनेट में बहुमत नहीं मिल पाया।

वॉटरगेट स्कैंडल में पूर्व राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन (1969-74) के खिलाफ महाभियोग की कार्रवाई होने वाली थी, लेकिन उन्होंने पहले ही इस्तीफा दे दिया। उन पर अपने एक विरोधी की जासूसी का आरोप लगा था।

अमेरिका पर खतराः बाइडेन के शपथ ग्रहण से पहले हिंसा की साजिश, 6 जनवरी को ट्रक से 11 बम जब्त किए गए थे

वाशिंगटन। अमेरिका में प्रेसिडेंट इलेक्ट जो बाइडेन के 20 जनवरी को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह से पहले हिंसा हो सकती है। संसद में राष्ट्रपति ट्रम्प के समर्थकों ने घुसकर तोड़फोड़ की थी। इस दौरान संसद के अंदर और बाहर हुई हिंसा में एक पुलिस अफसर समेत पांच लोगों की मौत हो गई थी। अब इस मामले में नया खुलासा हुआ है। सीएनएन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, गुरुवार को संसद भवन यानी कैपिटल हिल से कुछ दूरी (दो ब्लॉक छोड़कर) एक ट्रक खड़ा था। इसकी तलाशी के दौरान 11 देसी बम और कुछ हथियार बरामद किए गए थे।

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, यह एक छोटा पिकअप ट्रक था। इसका मालिक अल्बामा का रहने वाला है। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। ट्रक से 11 होममेड यानी देसी बम, एक असॉल्ट रायफल और एक हैंडगन जब्त की गई।

ऐसे में पुलिस की भूमिका पर सवाल सबसे ज्यादा उठ रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स की स्पीकर नैंसी पेलोसी इस व्यक्ति के निशाने पर थीं। कहा जा रहा है कि यह हथियार ट्रम्प समर्थक दंगाइयों तक पहुंचाए जाने थे और ट्रक को इसीलिए कैपिटल हिल के पास

पार्क किया गया था। इस मामले में जांच अब भी जारी है।

13 और लोगों के खिलाफ केस दर्ज

हुई हिंसा के मामले में केंद्रीय जांच एजेंसियों ने 13 और दंगाइयों की पहचान की। इनके खिलाफ केस दर्ज कर लिए गए हैं। इनमें वेस्ट वर्जीनिया के एक अफसर भी शामिल हैं। उस शख्स की भी पहचान हो गई है जो नैंसी पेलोसी के ऑफिस में कुर्सी पर बैठ गया था। बताया जाता है कि ट्रम्प के कुछ समर्थक गुरुवार को केन्स में पेट्रोल लाए थे। उनका इरादा कुछ जगहों पर आग लगाना हो सकता है।

खतरा टला नहीं

अमेरिकी सुरक्षा अधिकारियों को लगता है कि बाइडेन के शपथ ग्रहण समारोह यानी इनॉगरेशन सेरेमनी के वक्त भी अमेरिका में हिंसा फैल सकती है। वॉशिंगटन, जॉर्जिया, कन्सास, ओहियो, मिशिगन, कैलिफोर्निया, कोलोराडो, उटाह, न्यू मैक्सिको, व्योमिंग और टेक्सास जैसे राज्यों में निगरानी बढ़ा दी गई है।

रूस में कोरोना वायरस के नए वेरिएंट की दस्तक, सरकार की नींद उड़ी, संक्रमितों की संख्या 3,401,954 के पार

मास्को। रूस की राजधानी मास्को में कोरोना के नए वेरिएंट का एक मामला प्रकाश में आया है। रूस में नए वेरिएंट की दस्तक ने सरकार की नींद गायब हो गई है। रूस के उपभोक्ता अधिकारों के प्रमुख एना पोपोवा ने रविवार को एक टलीविजन पर कहा कि देश में एक व्यक्ति कोरोना वायरस के नए वरिएंट से संक्रमित पाया गया है। बता दें कि कोरोना वायरस को नया वेरिएंट दसिंबर में ब्रिटेन में पाया गया है। उधर, समाचार एजेंसी ने बताया कि बीते दिन कोरोना के 22,851 मामले सामने आए हैं। इसके साथ देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या 3,401,954 के पार पहुंच गई है।

एक महीने पूर्व ब्रिटेन में मिला था नया वेरिएंट

एक महीने पूर्व कोरोना महामारी के अंत का इंतजार करने वाली पूरी दुनिया के लिए ब्रिटेन से एक बुरी खबर आई थी। कोरोना वायरस के नए संस्करण ने ब्रिटेन को संकट में डाल दिया है। ब्रिटेन सरकार के चिकित्सा विशेषज्ञों ने कोरोना के नए वेरिएंट के प्रसार पर चिंता व्यक्त की थी और इसे खतरे की घंटी बताया। ब्रिटेन में नए वेरिएंट के चलते मौत में 20 फीसद का इजाफा हुआ है। देश में कोरोना वायरस का नया वेरिएंट पहले की तुलना में और अधिक तेजी से फैल सकता है। कोरोना के नए रूप का पता लगने के बाद ब्रिटेन में कड़े प्रतिबंध लगा दिए गए हैं क्रिसमस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम को भी रद कर दिया गया। एक सप्ताह पूर्व ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कैबिनेट की आपात बैठक के बाद देश में नए लॉकडाउन का ऐलान किया। मार्च में कोरोना वायरस के प्रसार के बाद ब्रिटिश सरकार ने देश में दोबारा लॉकडाउन के उपबंधों को लागू किया है।

दुनिया के कई और देशों में कोरोना वायरस का नया स्ट्रेन पहुंच गया है। चीन और स्वीडन में पहले मामलों की पहचान की गई है। अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत में भी एक केस मिला है। यहां के सैन डिएगो में एक 30 वर्षीय व्यक्ति पीड़ित पाया गया है। इधर, चीनी रोग नियंत्रण केंद्र ने बताया कि ब्रिटेन से शंघाई लौटकर आई 23 साल की एक छात्रा नए स्ट्रेन से संक्रमित पाई गई।

62 लाशें तैरती रहीं : धमाके में उड़ा पूरा का पूरा विमान

जकार्ता। बोइंग 737 विमान के क्रैश होने से भीषण तबाही से मातम मचा हुआ है। विमान के कैस होने के बाद इंसानों के अवशेष और विमान के कुछ टुकड़े समुद्र से मिल रहे हैं। इस बारे में सामने आई रिपोर्ट से अनुसार, क्रैश हुए विमान के ब्लैक बॉक्स से कुछ सिग्नल भी प्राप्त हुए हैं।

जकार्ता से उड़ान भरने के थोड़ी ही देर बाद बोइंग 737 विमान क्रैश कर गया था। इस विमान में 62 लोग (यात्री और क्रू मेंबर्स) सवार थे। वहीं विमान ने इंडोनेशिया के पोंटिअनक के लिए उड़ान भरी थी।इस बारे में इंडोनेशिया की सर्च एंड रेस्क्यू एजेंसी के प्रमुख बगुस पुरुहितो ने कहा कि हमें दो जगहों से सिग्नल मिले हैं जो विमान के ब्लैक बॉक्स के हो सकते हैं।इंसानी अवशेष, टायर के टुकड़े जानकारी देते हुए इंडोनेसिया की नौ सेना का कहना है कि उन्हें कुछ इंसानी अवशेष, टायर के टुकड़े और विमान के अन्य हिस्से मिले हैं जो क्रैश हुए बोइंग 737 प्लेन के ही हो सकते हैं। पहचान साबित करने के लिए इंसानी अवशेष को हॉस्पिटल ले जाया गया है। बताया जा रहा कि क्रैश हुए विमान में 12 क्रू मेंबर्स के साथ ही 50 यात्री सवार थे। इनमें 7 बच्चे और 3 नवजात शामिल हैं। इस बारे में इंडोनेशिया के एयर फोर्स के चीफ ऑफ स्टाफ के असिस्टेंट हेनरी अलफिआंदी ने कहा कि मुझे भरोसा है कि हम विमान ढूंढ लेंगे। सामने आई रिपोर्ट के मुताबिक, विमान 26 साल पुराना था। लेकिन स्रिविजया एयरलाइंस का कहना है कि विमान ठीक स्थिति में था। स्रिविजया एयरलाइंस इंडोनेशिया और दक्षिणी-पूर्वी एशियाई देशों में ही अपनी सेवाएं देती है।

तगड़ा बम धमाका : आईडी ब्लास्ट से दहला अफगानिस्तान

काबुल। अफगानिस्तान में आतंक का खौफ दिन प्रति दिन बढ़ता ही जा रहा है। धमाकों के इन्ही सिलसिले के बीच राजधानी काबुल के कर्त-ए-लवा इलाके में भीषण बम विस्फोट हुआ।

इस बम धमाके की चपेट में एक वाहन आ गया। जिसमें इस वाहन के परखच्चे उड़ गए। बताया जा रहा कि इस हमले में राजधानी के तीन लोगों की मौत हुई है। गौरतलब है कि राजधानी में धमाके से लोगों में हमेशा ही खौफ का मंजर बना रहता है। मातम से जूझ रहे इस देश में न्याय की आश में लोगों की उम्र बीती जा रही है। लेकिन आतंक का खात्मा नहीं हो रहा है।

राजधानी कर्त-ए-लवा इलाके में बम विस्फोट

ऐसे में अफगानिस्तान के सूत्रों से मिली खबर के अनुसार, सुबह राजधानी कर्त-ए-लवा इलाके में बम विस्फोट हुआ। जारी किए गए एक वीडियो भी दिखाया गया है कि जिसमें सड़क पर विस्फोट के बाद एक वाहन जलता दिखाई दे रहा है।

रिपोर्ट में सामने आई खबर के मुताबिक काबुल पुलिस ने ब्लास्ट में तीन लोगों के मरने की पुष्टि की है। इसमें पब्लिक प्रोटेक्शन के प्रवक्ता जिया वेडान भी मारे गए हैं। ब्लास्ट में एक अन्य व्यक्ति के घायल होने की

जानकारी सामने आई है।

हर दिन धमाको की वजह से मातम

बता दें, अफगानिस्तान में हाल के महीनों में हिंसा में बहुत तेजी आई है। लगभग हर दिन धमाको की वजह से यहां मातम सा माहौल रहता है। इन हमलों में सरकारी प्रतिष्ठानों, विदेशी नागरिकों के साथ ही पत्रकारों को भी निशाना बनाया गया है।

इससे पहले उत्तरी बागलान में एक ऑपरेशन के दौरान कम से कम 6 तालिबानी आतंकी मारे गए और चार अन्य घायल हो गए। इस बारे में जानकारी स्थानीय अधिकारियों ने दी थी।

सामने आई एक रिपोर्ट अनुसार, प्रांतीय पुलिस प्रमुख मोहम्मद वैस सैमीमी ने कहा कि तालिबानियों से राजमार्ग को खाली कराने के लिए मंगलवार को बगलान-समंगन राजमार्ग पर ऑपरेशन शुरू किया गया था।÷ इस ऑपरेशन के दौरान छह तालिबानी मारे गए ।

दिल्ली पहुंची कोरोना वैक्सीन की पहली खेप

राजीव गांधी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में 2,64,000 डोज आए

नई दिल्ली (संवाददाता)। राजीव गांधी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में सीरम इंस्टीट्यूट की कोविशील्ड की पहली खेप मंगलवार को पहुंच गई। मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को आए पहली खेप में 22 बॉक्स आए हैं। एक बॉक्स में 1200 वायल होते हैं और एक वायल में दस डोज होते हैं। इसके अनुसार राजीव गांधी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में 2.64 लाख डोज आ गए हैं। जानकारी के अनुसार यहां से इन्हे डिस्ट्रिक सेंटर पर भेजा जाएगा। वैक्सीन को लेकर सुरक्षा के इंतजाम कड़े कर दिए गए हैं। इसके लिए राजीव गांधी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के वैक्सीन सेंटर के लिए तीन स्तरीय सुरक्षा की व्यवस्था की गई है। पहले लेयर में सीसीटीवी, दूसरे लेयर में अस्पताल के सुरक्षाकर्मी और तीसरे लेयर में दिल्ली पुलिस है। सुरक्षा के लिहाज से वैक्सीन सेंटर के बाहर बैरिकेटिंग कर दी गई है और किसी को उससे आगे जाने की इजाजत नहीं है।

दिल्ली कैबिनेट ने शिक्षा से संबंधित कई प्रस्तावों को दी मंजूरी

11 लाख छात्रों को पुस्तक व लेखन सामग्री के लिए 64.37 करोड़ की मंजूरी

नई दिल्ली, प्रफुल्ल राय(शिवालिक)। दिल्ली कैबिनेट ने शिक्षा से सम्बंधित वित्तीय प्रावधानों सम्बंधित कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी है। इसमें सरकारी और वित्तीय सहायता प्राप्त स्कूलों के स्टूडेंट्स को डीबीटी डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से पाठ्यपुस्तकों और लेखन सामग्री के लिए धनराशि भेजना शामिल है।

साथ ही, दिल्ली ब्यूरो ऑफ टेक्स्ट बुक को प्रकाशन सामग्री, छात्र डायरी, कार्यपुस्तिका, खुशी पाठ्यचर्या से संबंधित सामग्री, मेन्टल मैथ्स आदि के प्रकाशन और वितरण के लिए 30.05 करोड़ रुपये की भी मंजूरी दी गई है।

इसके अलावा, कैबिनेट ने सरकारी भूमि पर बने निजी स्कूलों द्वारा वर्ष 2018-19 और 2019-20 के लिए फीस वृद्धि संबंधी प्रस्ताव की जांच एवं निस्तारण करने के लिए पीएमयू परियोजना प्रबंधन इकाई की स्थापना को भी मंजूरी दी है। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि ऐसे कठिन समय में दिल्ली सरकार बच्चों की शिक्षा में आने वाली हर बाधा को दूर करने का हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि बच्चों को दी गई वित्तीय सहायता के माध्यम से सभी बच्चे अध्ययन सामग्री और पाठ्यपुस्तकें खरीद पाएंगे और अपनी पढ़ाई से अच्छी तरह जुड़े रहेंगे। आर्थिक तंगी के बावजूद

आर्थिक चुनौतियों के बावजूद हम अपने बच्चों की शिक्षा के लिए हर संभव प्रयास करेंगे ताकि उनकी पढ़ाई प्रभावित न हो : मनीष सिसोदिया

अपनी तरफ से हम अपने बच्चों के लिए हर प्रयास करेंगे ताकि उनकी पढ़ाई का नुकसान न हो।

हर साल दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय द्वारा सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों के पहली से आठवीं कक्षा तक के छात्रों को डीबीटी के माध्यम से पाठ्य पुस्तकें और आर्थिक सहायता दी जाती है। कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों को पुस्तकों और लेखन सामग्री के लिए धनराशि दी जाती है। इस वर्ष के लिए दिल्ली सरकार ने सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों के छात्रों के लिए 64.37 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता की मंजूरी दी है। इसके अलावा, दिल्ली सरकार की 'पाठ्यपुस्तक और सामग्री का निशुल्क वितरण 2020-2021' योजना के तहत 30.05 करोड़ रूपये की अतिरिक्त आवर्ती राशि का आबंटन किया गया है। इसके तहत, दिल्ली ब्यूरो ऑफ टेक्स्ट बुक द्वारा सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों को सहायक सामग्री, कार्यपुस्तिका, मानसिक गणित सामग्री, नर्सरी और केजी की वर्कबुक तथा शिक्षक डायरी की आपूर्ति की जाएगी। इन वित्तीय प्रावधानों के अलावा कैबिनेट ने दिल्ली में सरकारी भूमि पर बने मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों के शुल्क वृद्धि प्रस्ताव की जांच करने के लिए एनआईसीएसआई नामांकित प्रतिष्ठित चार्टेड एकाउंटेंट्स की दो फर्मों को को लेकर पीएमयू स्थापित करने की मंजूरी दी है।

शिकायतें मिलने पर उपमुख्यमंत्री ने श्रम कार्यालय का औचक निरीक्षण किया, मैनेजर बर्खास्त

नई दिल्ली। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने उत्तर-पश्चिमी दिल्ली श्रम कार्यालय के मैनेजर को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त करने का निर्देश दिया है। निर्माण श्रमिकों के निबंधन में अनियमितता की शिकायतें मिलने के बाद आज उपमुख्यमंत्री सह श्रम मंत्री ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान लगभग एक दर्जन मामलों में शिकायतें सही पाए जाने पर उन्होंने यह कदम उठाया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने श्रम अधिकारियों को पंजीयन तथा मजदूरों के कल्याण संबंधी सभी काम नियमानुसार और निश्चित समय अवधि के भीतर करने का निर्देश दिया। उल्लेखनीय है कि गत दिनों उत्तर-पश्चिमी दिल्ली श्रम कार्यालय में निर्माण श्रमिकों के निबंधन में विभिन्न अनियमितताओं की शिकायतें मिली थीं। आज सुबह उपमुख्यमंत्री ने कार्यालय का औचक निरीक्षण करके शिकायतों की जांच की। इन शिकायतों में कुछ श्रमिकों के निबंधन दस्तावेजों में पुरूष के बजाय महिला की तस्वीरें लगाए जैसी लापरवाही शामिल है। कुछ मामलों में श्रमिक के पंजीयन हेतु कार्यालय में उपस्थित होकर लाइव फोटोग्राफ के बजाय पहले की खींची गई फोटो लगाने जैसी अनियमितता शामिल है। उपमुख्यमंत्री ने श्रम अधिकारियों को निर्देश दिया कि निबंधन तथा श्रमिक कल्याण योजनाओं को समुचित लाभ देने संबंधी सभी कार्य समय पर किए जाएं।

एक नजर

उत्तर भारत में शीत लहर जारी रहने के आसार

नई दिल्ली। उत्तर भारत में अगले चार-पांच दिनों तक शीत लहर जारी रहने का अनुमान है। भारतीय मौसम विभाग ने मंगलवार को यहां बताया कि शुष्क उत्तरी/उत्तर-पश्चिमी हवाएं चलने के कारण उत्तर-पश्चिम भारत में न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे रहने का अनुमान है। इस दौरान दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और उत्तर प्रदेश तथा मध्य प्रदेश के कुछ इलाकों में घना से घना कोहरा छाये रहने के आसार हैं। मौसम विभाग ने बताया कि कोमोरिन इलाके में चक्रवाती तूफान के प्रभाव की वजह से तमिलनाडु, पुड्डुचेरी, कराईकल, केरल और माहे तथा लक्षद्वीप में अगले दो या तीन दिनों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश होने का अनुमान है। तमिलनाडु, पुड्डुचेरी और कराईकल में आज और 13 जनवरी के बीच भारी से भारी वर्षा होने के आसार हैं।

सवारी बनकर आए और कैब चालक को लूट कर ले गए बदमाश

नई दिल्ली। द्वारका साऊथ इलाके में रविवार शाम दो बदमाशों ने सवारी बनकर ओला कैब बुक की और फिर कैब चालक को लूट कर फरार हो गए। आरोपियों के जाने के बाद पीड़ित कैब चालक ने मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने लूट की धाराओं में केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस आरोपियों की पहचान का प्रयास कर रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़त कैब चालक राजकुमार अपने परिवार के साथ पलवल हरियाणा में रहता है और ओला कैब चलाता है। पीड़ित ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि उसे शनिवार सुबह 4.30 बजे द्वारका से बुकिंग मिली। दो युवकों ने कैब बुक की। पीड़ित ने उन्हें द्वारका सैक्टर-9 मैट्रो स्टेशन ने कैब में बैठाया और चल दिया। आरोपियों ने 1 किलोमीटर कैब चलने के बाद कैब चालक की गर्दन पर चाकू लगा दिया और उससे पैसे, मोबाइल, डेबिट कार्ड और अन्य सामान लूट लिया। आरोपियों ने डेबिट कार्ड का नम्बर भी पूछ लिया और कैब रूकवाकर कुछ दूरी पर खड़ी एक मोटर साइकिल से फरार हो गए। आरोपियों के जाने के बाद पीड़ित ने राहगिरों से मदद लेकर पुलिस को वारदात की जानकारी दी।

दिल्ली के गाजीपुर पोल्ट्री बाजार पर अंकुश के लिए याचिका दायर

नई दिल्ली। बर्ड फ्लू के प्रकोप के मद्देनजर दिल्ली उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की गई है, जिसमें यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि गाजीपुर पोल्ट्री बाजार में और उसके आसपास कोई पक्षी नहीं मारा जाए। यह दावा करते हुए कि उचित लाइसेंस के बिना और कानून द्वारा अधिदेशित बुनियादी ढांचे के अभाव में वध, यह बीमारियों के लिए एक हॉटस्पॉट बनाता है। राजस्थान, गुजरात, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, नई दिल्ली, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, केरल और मध्य प्रदेश सहित देश के कई राज्यों में एवियन इन्फ्लूएंजा की पुष्टि हुई है। दिल्ली में शहर सरकार ने जीवित पक्षियों के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है, 24 घंटे की हेल्पलाइन स्थापित की है और दस दिनों के लिए गाजीपुर पोल्ट्री मार्केट बंद कर दिया है। पशु अधिकार कार्यकर्ता गौरी मौलेखी ने याचिका के माध्यम से दिल्ली कृषि विपणन बोर्ड को निर्देश देने की मांग की है कि गाजीपुर मंडी और उसके आसपास किसी भी पक्षियों की बलि न दी जाए।

कोरोना वायरस के टीके का दुष्प्रभाव हो तो इलाज से इन्कार नहीं कर सकते निजी अस्पताल

नई दिल्ली । कोरोना का टीका कोविशील्ड व कोवैक्सीन वैसे तो सुरक्षित है, ट्रायल में शामिल डॉक्टर भी कह रहे हैं कि टीके का खास दुष्प्रभाव नहीं देखा गया है। फिर भी टीकाकरण अभियान पर स्वास्थ्य विभाग की पैनी नजर रहेगी। हल्का दुष्प्रभाव होने की स्थिति में भी इलाज के लिए टीकाकरण केंद्रों पर चिकित्सकीय व्यवस्था की गई। इसी क्रम में सोमवार को दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने सभी निजी अस्पतालों व नर्सिंग होम को यह आदेश भी जारी किया है कि टीके के दुष्प्रभाव से पीड़ित कोई व्यक्ति यदि अस्पताल पहुंचता है तो इलाज से इन्कार नहीं कर सकते। ऐसा करने पर अस्पतालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आदेश में कहा गया है कि यदि किसी को हल्का दुष्प्रभाव भी होता है तो उसकी जल्दी पहचान होनी चाहिए। यदि टीके के दुष्प्रभाव के साथ किसी व्यक्ति को इलाज के लिए अस्पताल में लाया जाता है या किसी दूसरे अस्पताल से स्थानांतरित किया जाता है तो ऐसी स्थिति में दिल्ली नर्सिंग होम रजिस्ट्रेशन नियम के तहत इलाज उपलब्ध कराना जरूरी है। 16 जनवरी से टीकाकरण शुरू होगा। दिल्ली में शुरुआत में सरकरी व निजी क्षेत्र के 89 अस्पतालों में टीकाकरण होगा। सभी टीकाकरण केंद्र पर आब्जर्वेशन के लिए अलग कमरे की व्यवस्था की गई है। टीका लगने के आधे घंटे तक आब्जर्वेशन में लोगों को रखा जाएगा। टीका इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आइएमए) के कोषाध्यक्ष डा. अनिल गोयल ने कहा कि राजस्तरीय कोल्ड स्टोरेज में 14 जनवरी को टीका पहुंचेगा। टीकाकरण केंद्रों पर 16 जनवरी की सुबह टीका सुरक्षित तरीके से पहुंचेगा। 10 बजे से टीका लगाने का काम शुरू होगा।

लोग घबराएं नहीं, टीका सुरक्षित-डा. अनिल गोयल ने कहा कि देश में इमरजेंसी इस्तेमाल के लिए स्वीकृत दोनों टीके ट्रायल में सुरक्षित पाए गए हैं। इसलिए लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है।

शहरी नेतृत्व फेलोशिप प्रोग्राम का समापन

नई दिल्ली,(रविशंकर तिवारी)। दिल्ली में शुरू किए गए मुख्यमंत्री शहरी नेतृत्व फेलोशिप (सीएमयूएलएफ) प्रोग्राम का समापन हो गया। सत्र के दौरान सीएम अरविंद केजरीवाल ने फेलोज को उनकी कड़ी मेहनत और लगन के लिए सराहना करते हुए उनके सुनहरे भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस दौरान मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा, मुझे उम्मीद है कि इसने आपके अंदर के लीडरशिप के पौधों को थोड़ा बहुत अवश्य सींचा होगा। इस प्रोग्राम ने आप लोगों के अंदर की संवेदनाओं और भावनाओं को बढ़ाया होगा और आपको

मुख्यमंत्री ने सीएमयूएल फेलोशिप के समापन सत्र पर फेलोज को दी बधाई

एक अच्छा इंसान बनने के लिए प्रेरित किया होगा। इस दौरान मुख्य सचिव और सचिव (एआर) सहित दिल्ली सरकार के अन्य अधिकारियों के साथ प्रशासनिक सुधार मंत्री कैलाश गहलोत भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री आवास पर मंगलवार को आयोजित फेलोज के विदाई समारोह के दौरान मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने

कहा कि, आप लोगों से दो साल पहले मुलाकात हुई थी, जब आप लोगों ने यहां ज्वाइन किया था। मैं उम्मीद करता हूं कि यह 2 साल की यात्रा आप लोगों के लिए बहुत ही उपयोगी रही होगी। आप सभी को अनुभव प्राप्त करने का मौका मिला। दो साल में सरकार ने बहुत सारे काम किए हैं। कई सारे ऐसी योजनाएं निकाली हैं, जो शायद देश में ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में पहली बार आई हैं। मैं तो जब स्कीम लागू होती थी, तो उसे लागू करने की स्टेज पर आता था, लेकिन आज सुनने को मिला कि इसके पीछे का काम आप सब लोगों ने मिलकर किया था। यह जानकर मुझे बहुत अच्छा लगा कि आप लोगों ने इतनी मेहनत के साथ हमारी जितनी प्रमुख योजनाएं थीं, उसके ऊपर काम किया और उनको सफल बनाया।

दिल्ली हाईकोर्ट में गाजीपुर मंडी में मुर्गा काटे जाने के खिलाफ याचिका पर 19 को सुनवाई

नई दिल्ली । दिल्ली में बर्ड फ्लू के लगातार बढ़ते खतरे को देखते हुए दिल्ली हाईकोर्ट में गाजीपुर के मुर्गा मंडी में स्लॉटरिंग पर तुरंत रोक लगाने के लिए लगाई गई याचिका पर अब 19 जनवरी को सुनवाई होगी. एनिमल राइट्स एक्टिविस्ट गौरी मुलेखी की तरफ से लगाई गई इस याचिका पर हाईकोर्ट ने कहा कि वो इस मामले में अवमानना याचिका दाखिल करें क्योंकि याचिकाकर्ता की तरफ से कोर्ट को बताया गया कि 2018 में ही दिल्ली हाईकोर्ट ने आदेश दिया था जिसमें कहा गया था कि गाजीपुर की मुर्गा मंडी के अंदर मुर्गियों को नहीं मारा जाएगा क्योंकि वहां पर यह काम पूरी तरह से नियमों का उल्लंघन करके गैर कानूनी रूप से हो रहा है.

गाजीपुर की मुर्गा मंडी को बंद कराने के लिए गौरी मुलेखी पहले ही दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका लगा चुकी हैं, जिस पर अगली सुनवाई 19 जनवरी को होनी थी. इसीलिए कोर्ट ने अब इस मामले की विस्तृत सुनवाई के लिए 19 जनवरी की तारीख तय की है. एनिमल राइट्स एक्टिविस्ट गौरी मुलेखी द्वारा दायर एक

याचिका में आरोप लगाया गया है कि गाजीपुर मंडी में पशु अधिकारों का अंधाधुंध उल्लंघन और पशु कल्याण कानूनों का उल्लंघन हो रहा है. गाजीपुर के बाजार में खुलेआम कानून का उल्लंघन करके मुर्गियों को मारा जाता है.

फिलहाल इसी याचिका में एक अर्जी लगाकर बर्ड फ्लू के खतरे को देखते हुए स्लॉटरिंग को तुरंत बंद करने की हाईकोर्ट से गुजारिश की गई है. गाजीपुर की मुर्गा मंडी में ढाई लाख मुर्गियों को हर रोज मारा जाता है. याचिका में कहा गया है कि यह सीधे तौर पर नियमों का उल्लंघन है.

9 राज्यों में बर्ड फ्लू का संकट

कोरोना संकट के बीच देश के 9 राज्यों में बर्ड फ्लू के पहुंचने के मामले सामने आ चुके हैं. दिल्ली और महाराष्ट्र भी बर्ड फ्लू वाले राज्यों में शामिल हो गए हैं. उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और केरल में पहले से ही बर्ड फ्लू पैर पसार चुका था.

बर्ड फ्लू की पुष्टि से राजधानी दिल्ली में हड़कंप है. पशुपालन विभाग ने दिल्ली में बर्ड फ्लू की पुष्टि कर दी. लैब में भेजे गए 8 सैंपल पॉजिटिव मिले हैं. अब चिड़ियाघर से लेकर से पार्कों और पॉल्टी फार्मों पर कड़ी नजर रखी जा रही है. दिल्ली में अब तक 27 बतख, 91 कौओं की मौत हो चुकी है. दिल्ली की संजय झील में ही 27 मरी बतख मिलीं. संजय झील को जनता के लिए बंद कर दिया गया है. संजय झील में मरी बतखों को पशुपालन विभाग की टीम ने संजय झील में ही गहरे गड्ढों में दफना दिया. बतखों के बाद अब मृत कौओं के सैंपल में भी बर्ड फ्लू पाया गया. द्वारका सेक्टर-9 के ष्ष्ठ पार्क में 2 कौवों के सैंपल में बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है. बर्ड फ्लू के बढ़ते संकट को देखते हुए अरविंद केजरीवाल सरकार की ओर से कई दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं.

हाई कोर्ट ने कहा - पीने का पानी प्राप्त करना जीवन का मौलिक अधिकार, जल बोर्ड को दिया निर्देश

नई दिल्ली । 50 वर्ष से भी अधिक समय से पीने के पानी की समस्या से जूझ रहे डिफेंस सर्विस एन्क्लेव के मामले को गंभीरता से लेते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने जल बोर्ड को अहम निर्देश दिए हैं। 1970 में सशस्त्र बलों के अलंकृत अधिकारियों व वीरांगनाओं के लिए बनी कालोनी में पानी मुहैया कराने के लिए हाई कोर्ट ने नौ महीने का समय दिया। न्यायमूर्ति जयंत नाथ की पीठ ने कहा कि पीने का पानी प्राप्त करना जीवन का मौलिक अधिकार है। पीठ ने दिल्ली सरकार को निर्देश दिया कि कालोनी में पानी मुहैया कराने को लेकर योजना तैयार करें। वहीं, रक्षा मंत्रालय को निर्देश दिया कि कालोनी को नियमित करने के लिए एक कमेटी का गठन करे।

कालोनी के निवासियों ने याचिका दायर कर कहा कि सरकार ने 1970 में खानपुर व खिड़की गांव में उन्हें जमीन आवंटित की थी, जिसे डिफेंस सर्विस एन्क्लेव का नाम दिया गया, लेकिन 50 साल बाद भी न तो कालोनी में बुनियादी सुविधाएं हैं और न ही इसे नियमित ही किया गया है। याचिका पर सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि लोगों को सिर्फ इसलिए उनके मौलिक अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता है कि यह एक अनधिकृत कालोनी है।कालोनी में फिलहाल चार नलकूपों के माध्यम से पानी की आपूर्ति की जाती है। पीठ ने कहा कि सभी याचिकाकर्ता सेवानिवृत्त रक्षा कर्मी हैं और उन्होंने अपने जीवन का अधिकांश समय देश की रक्षा में समर्पित किया है। पीठ ने रक्षा मंत्रालय सचिव को निर्देश दिया कि शहरी विकास मंत्रालय और दिल्ली के मुख्य सचिव शामिल को शामिल करते हुए एक कमेटी का गठन करें, जोकि चार सप्ताह में कालोनी को नियमित करने पर फैसला ले। पीठ ने इससे पहले दक्षिणी दिल्ली के सैनिक फार्म क्षेत्र में अनधिकृत निर्माण से संबंधित एक अन्य याचिका पर भी ऐसा निर्देश दिया था।

दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल से मिले भाजपा नेता, हनुमान मंदिर के पुनर्निर्माण की मांग

नई दिल्ली । चांदनी चौक में हनुमान मंदिर तोड़ने का मामला राजनिवास पहुंच गया है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता और नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने उपराज्यपाल अनिल बैजल से मिलकर मंदिर के पुनर्निर्माण की मांग की। उन्होंने कहा कि उपराज्यपाल ने इस बारे में उचित निर्णय लेने का आश्वासन दिया है। आदेश गुप्ता ने कहा कि हनुमान मंदिर तोड़ने और पीपल का वृक्ष काटने से स्थानीय लोगों एवं व्यापारियों में रोष व्याप्त है। मंदिर समिति, धार्मिक संगठन व अन्य लोग यही चाहते हैं कि मंदिर का फिर से निर्माण कर वहां हनुमान जी की मूर्ति को पुनः स्थापित करने की अनुमति दी जाए।

उन्होंने कहा कि यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि सुंदरीकरण के नाम पर लोक निर्माण विभाग ने चांदनी चौक के हनुमान मंदिर को तोड़ दिया और अब वहां स्थित वर्षों पुराना पीपल का पेड़ भी काट दिया। उन्होंने कहा कि लोक निर्माण विभाग ने कोर्ट में कहा था कि सुंदरीकरण में मंदिर बाधा है और इसे तोड़ने में नगर निगम व पुलिस का सहयोग नहीं मिल रहा है, जिसके बाद कोर्ट ने मंदिर तोड़ने को कहा। दिल्ली सरकार चाहती तो धार्मिक समिति के माध्यम से मंदिर को बचा सकती थी। उसके बाद विभाग की लिखित अनुमति से पीपल का पेड़ काटा गया। इससे पता चलता है कि योजनाबद्ध तरीके से मंदिर को तोड़ा गया है।

पांचवें दिन जारी रही निगम कर्मियों की हड़ताल- वहीं, उत्तरी निगम के कर्मियों की चल रही हड़ताल पांचवें दिन जारी रही। सोमवार को निगम के क्षेत्रीय कार्यालयों पर कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया। इसकी वजह से नागरिक सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए आने वाले लोगों को निराश होकर लौटना पड़ा। हड़ताल का सर्वाधिक असर, निगम के अस्पतालों और डिस्पेंसरियों में हो रहा है। यहां पर पैरामेडिकल स्टाफ अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चला गया है। साथ ही वेतन जारी करने की मांग कर रहा है। उल्लेखनीय है कि कन्फेडेरेशन आफ एमसीडी एंपलाइज यूनियंस ने सात जनवरी से हड़ताल का आह्वान किया था। इससे गलियों में होने वाली सफाई व्यवस्था प्रभावित होती दिख रही है। हालांकि डलाव घरों से अभी कूड़ा उठ रहा है।

नई दिल्ली में टिकरी बॉर्डर पर नए कृषि कानूनों के खिलाफ किसान विरोध के दौरान कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

संपादकीय

अब क्रांति नहीं, विकास चाहिए

जैसे पर्वतीय घाटियों से निकलने वाली कोई उछलती-कूदती वेगवती नदी मैदान में पहुंचकर अचानक ही शांत होने लग जाए। 21वें साल को उम्र का वह पड़ाव माना जाता है, जब बचपन और जवानी का शुरुआती अल्लहड़पन पीछे छूट जाता है और परिपक्वता का दौर शुरू होता है। इस सदी के 21वें साल से भी क्या बस इतनी उम्मीद बांधनी होगी? वैसे, इस समय हम 21वीं सदी में भी हैं। अगर पिछली सारी सदियों से तुलना करें, तो कम से कम अपने शुरुआती दो दशकों में तो यह सदी नीरसता में लिपटी परिपक्वता से बार-बार मुलाकात कराती रही है। पिछली सदी का पूरा पूर्वार्द्ध बदलाव की कसमें खाने और क्रांतियों के लिए अधीर दिखाई देता है। लेकिन 21वीं सदी के आते-आते वे सारे उबाल ठंडे पड़ चुके हैं और अब क्रांति नहीं, विकास की बात होती है। बदलाव के हरावल दस्तों को संगठित करने पर नहीं, बल्कि संसाधनों को जुटाने पर जोर दिया जाता है। एक तरह से यह ठंडे पड़ चुके जोश की सदी का 21वां साल भी है। इस सदी के 21वें साल की तुलना अगर हम पिछली सदी के 21वें साल से करें, तो एक समानता साफ तौर पर दिखाई देती है। दोनों की शुरुआत महामारी के भयानक सदमे के बीच हुई। हालांकि, स्पैनिश फ्लू की शुरुआत 1918 में हुई थी, लेकिन उसका ज्यादा प्रकोप 1919 और 1920 में रहा, और उसका अंतिम सिरा 1921 तक गया। वैसे ही, जैसे कोविड-19 दरअसल 2019 में शुरू हुआ, लेकिन उसके प्रकोप का वर्ष 2020 को ही माना जाएगा। दोनों सदी का एक अंतर हम इन दो महामारियों से भी समझ सकते हैं। स्पैनिश फ्लू निश्चित तौर पर ज्यादा भयावह महामारी थी। उसने कहीं ज्यादा लोगों की जान ली। और सबसे बड़ा दुर्भाग्य यह था कि जहां कोरोना वायरस संक्रमण ने सबसे ज्यादा संख्या में बुजुर्गों को अपना निशाना बनाया, तो वहीं स्पैनिश फ्लू का ज्यादातर शिकार नौजवान थे। एक अंतर ज्ञान और विज्ञान का भी है। स्पैनिश फ्लू जब फैला, तब वायरस शब्द का इस्तेमाल भले ही होने लगा था, लेकिन वायरस क्या होता है, यह जानकारी नहीं थी। वायरस के बारे में जानकारी तो एक दशक के बाद मिल पाई, जब इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप बना और पहली बार उसे देखा जा सका। जबकि इस बार महामारी फैलने के कुछ ही सप्ताह बाद कोरोना वायरस की पूरी जिनोम कुंडली दुनिया भर के वैज्ञानिकों के पास थी और चंद महीनों के बाद अब हमारे पास एक दर्जन से ज्यादा तरह की वैक्सीन भी लगभग तैयार हैं। पिछली सदी के 21वें साल की तारीखों और घटनाओं को अगर गौर से देखें, तो वह एक तरह से महामारी के दुखों को भुलाने का साल था। यह वह साल था, जब पूरी दुनिया ने सारे गम भुलाकर फिर से बदलाव की अपनी प्रतिबद्धता की ओर लौटना शुरू कर दिया था। वे सारे संकल्प लौट आए, महामारी का तूफान भी जिनका बाल-बांका नहीं कर सका था।

भारत के संदर्भ में देखें, तो 1921 ही वह साल था, जब देश में चल रहे स्वतंत्रता आंदोलन ने तिरंगे झंडे को अपनाया और उसे गुलामी से मुक्ति की चाह का परचम बना दिया। खादी अपनाने का आंदोलन भी इसी साल शुरू हुआ था। बदलाव की इतनी ही तेज चाह इसी साल पूरी दुनिया में लौटी थी। इसी साल चीन में कम्युनिस्ट पार्टी बनी और अफीमचियों का देश कहलाने वाले इस मुल्क ने इस छवि से मुक्ति की राह पकड़नी शुरू कर दी। एशिया के तकरीबन सभी देशों में साम्यवादी और समाजवादी पार्टियों की स्थापना इसी के बाद शुरू हुई। नया हासिल करने की कोशिश में 1921 के पुराने गम न सिर्फ भुलाए गए, बल्कि उसका रिकॉर्ड रखने की भी जरूरत नहीं समझी गई। दो साल पहले स्पैनिश फ्लू की एक सदी पूरी होने पर जब कुछ इतिहासकारों ने दस्तावेज खंगालने शुरू किए, तो पता चला कि उस महामारी की बहुत सी बातें कहीं दर्ज ही नहीं हैं। यहां तक कि भारत समेत बहुत सारे देशों में ऐसे प्रामाणिक आंकड़े भी उपलब्ध नहीं हैं कि महामारी ने कितने लोगों को संक्रमित किया, कितने बच पाए और कितनों को नहीं बचाया जा सका? एक कारण यह भी है कि दुनिया पहले विश्व युद्ध से बस निकली ही थी और ज्यादातर देशों की दिलचस्पी आंकड़ों को जमा करने से ज्यादा उन्हें छिपाने में थी।

खासकर वे आंकड़े, जो उस समय की विश्व शक्तियों के उपनिवेशों के थे। यानी 1921 में बीते समय की बुरी यादों को सिर्फ भुलाया नहीं गया, बल्कि दफ्न भी कर दिया गया। इस मामले में 2021 एक अलग तरह का वर्ष होगा। इस समय हमारे पास महामारी के ढेर सारे आंकड़े हैं। कंप्यूटर की भाषा में बात करें, तो अभी तक कई टेराबाइट आंकड़े जमा हो चुके हैं और हर रोज जमा हो रहे हैं। इसके अलावा, हम जितनी भी तरह की मानव त्रासदियों से इस दौर में गुजरे हैं, उनमें से ज्यादातर लेखों, रिपोर्टों और कई तरह के वीडियो में दर्ज हो चुकी हैं। ये सब चीजें हमारे पास अब हमेशा रहने वाली हैं। बाद में भले ही इनकी याद धूमिल पड़ जाए, लेकिन 2021 में इन्हें कोशिश करके भुला पाना शायद मुमकिन नहीं होगा। भुलाया भी जाए, तो किसके लिए? उसके बचपन और जवानी ने 21वीं सदी को वे सपने और संकल्प नहीं दिए, जिनकी दीवानगी सब कुछ भुलाने का एक बड़ा और वाजिब कारण बन सकती थी। हम यह उम्मीद भी नहीं बांध रहे कि 2021 हमें 2020 की बुरी यादों से मुक्ति दिला देगा। उम्मीद सिर्फ इतनी है कि 2020 में हम जिन कष्टों से गुजरे हैं, 2021 हमें वैसे कष्टों से बचा लेगा। और शायद कुछ ऐसी व्यवस्थाएं भी देगा, जो भविष्य की किसी महामारी में हमारी रक्षा करेंगी। यथार्थ की जमीन पर खड़ा 2021 एक परिपक्व सदी का परिपक्व साल साबित होने वाला है।

प्रवीण कुमार सिंह

भारतीय ज्ञान परंपरा अपने आयुर्वेद रूपी हथियार के साथ दुनिया का सबसे बड़ा संबल होगी

विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा बनाए गए प्रोटोकॉल ने जिस तरह दुनिया को आशंकित किया और डराया, उससे धीरे-धीरे लोग उबर रहे हैं। इसका यह भी मतलब नहीं है कि आशंकाओं के बादल पूरी तरह खत्म हो चुके हैं। इस बीच भारत का अति लोकतंत्र भी सक्रिय हो गया है और उसने अपनी तरह से भावी टीकाकरण प्रक्रिया में अड़ंगा डालने की कोशिशें शुरू कर दी हैं। मुस्लिम धर्मगुरुओं के नाम पर कई अफवाहें भी फैलाई जा रही हैं। बेशक आज शिक्षा का प्रसार बढ़ा है। इसके बावजूद कथित धार्मिक अंधकूप में डूबने वाले भी बहुतेरे हैं। करीब दो दशक पहले जब भारत पोलियो का मुकाबला कर रहा था, तब मुस्लिम समुदाय में अफवाह फैल गई थी कि उसके वैक्सीन से नपुंसकता बढ़ती है।

जिंदगी में रोमांच का अपना महत्व है। लेकिन जिंदगी खुद में कम रोमांच नहीं है। इसका आभास बीते अंग्रेजी कैलेंडर के तीसरे महीने की 22 तारीख से जो शुरू हुआ, वह आखिर तक बना रहा। जिंदगी और मौत पूरे साल लुकाछिपी करती रही। चीन के वुहान प्रांत से निकले कोरोना रूपी दैत्य से मुकाबले में कभी जिंदगी जीतती नजर आई तो कई बार मौत अवसाद बनकर आई। कोरोना के साये तले जिंदगी ने मौत से जो लुकाछिपी पूरे साल खेली है, इसमें साल 2020 बीतते-बीतते जिंदगी जीतती नजर आने लगी। एक तरफ कोरोना को रोकने वाले टीके के सफल होने की उम्मीद बढ़ी, तो दूसरी तरफ ब्रिटेन और अमेरिका जैसे ताकतवर देशों ने अपने यहां कोरोना रोकने के लिए बनी वैक्सिन के परीक्षण शुरू कर दिए। भारत भी इस जमात में शामिल हो गया है।

दरअसल मनुष्य की पूरी विकास यात्र उसकी जीवटता का इतिहास है। हालांकि वह सिर्फ और सिर्फ बेहतरी की ही उम्मीद करता है। उसे जिंदगी और वक्त से केवल सुमधुर स्पंदन की ही उम्मीद रहती है। वक्त के इसी सुरंगम में वह गहरे तक डूबने की कामना हर आने वाले पल के साथ करता है। इसके लिए वह अपना श्रम स्वेद अहर्निश बहाता रहता है। इतिहास की प्रेरक गाथाएं सिर्फ पसीने की सुगंध और उसके जरिये हासिल होने वाली सफलताओं की कहानियों से भरी पड़ी हैं। ये गाथाएं मनुष्य को हर आने वाले पल के लिए न केवल सचेत करती हैं, बल्कि उसकी भावी यात्र में मेहनत और संघर्ष के महत्व को भी स्थापित करती हैं। लेकिन सर्वदा ऐसा नहीं होता। यहीं पर नियति नामक वक्त की दूसरी सहचरी का कभी-कभी प्रवेश हो जाता है। नियति अक्सर परीक्षाओं के रूप में आती है। लेकिन श्रम स्वेद की प्रेरक गाथाएं अंतत~ नियति के इस चक्र को भी भेदने के लिए मनुष्य को प्रेरित

करती हैं। वह नियति चक्र को भेद कर आगे निकल भी जाता है।

वर्ष 2019 जब अपने आखिरी सूर्यास्त का गवाह बनने की ओर बढ़ रहा था, चीन के वुहान प्रांत से एक ऐसे दैत्य के जन्म लेने की कहानियां सामने आने लगी थीं, जो अदृश्य था, जिसकी संहारक क्षमता को लेकर तरह-तरह की आशंकाएं जताई जा रही थीं। इन आशंकाओं के बावजूद दुनियाभर ने नवागत 2020 का स्वागत भी उसी अंदाज में किया था, जिस अंदाज में वह हर आगत का करता था। लेकिन स्वागत का यह उत्साह तीसरा महीना आते-आते खत्म होने लगा था। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोरोना नामक महादैत्य के स्वागत के लिए जो प्रोटोकॉल तय किए, उसने मनुष्य को सचेत कम, भयभीत ज्यादा किया। इस दौर में दुनियाभर की राजव्यवस्थाओं के कठोरतम रुख देखने को मिले। लेकिन साथ ही उनका वैसा ही प्रतिकार भी दिखा। विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रोटोकॉल को दुनियाभर की सरकारों ने जिस तरह स्वीकार किया, उससे लगा कि यह संगठन एक तरह से विश्व में सुपर सरकार चला रहा है।

इस प्रोटोकॉल व्यवस्था ने कोविड के विषाणु रूपी महादैत्य का जितना मुकाबला नहीं किया, उससे ज्यादा उसने दुनिया में अत्याधुनिक चिकित्सा व्यवस्था एलोपैथी की सर्वोच्चता को स्थापित कर दिया। विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रोटोकॉल ने मनुष्य की ज्ञान परंपरा को निर्थक और थोथा साबित करने की तकरीबन सफल कोशिश की। भारत की प्राचीन चिकित्सा व्यवस्था आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति के साथ ही यूरोप और अफ्रीका तक की पारंपरिक व्यवस्थाओं को नकारने में विश्व स्वास्थ्य संगठन के कोविड प्रोटोकॉल ने जैसे अपनी पूरी ताकत लगा दी। भारत में पारंपरिक व्यवस्था को नकारना तो वैसे ही आधुनिकता का फैशन है। आधुनिक चिकित्सा व्यवस्था को नियंत्रित करने वाली संस्थाओं ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रोटोकॉल का बहाना बनाया।

भारतीय संस्कृति की आयु को लेकर एकराय नहीं है। कोई इसे पांच हजार साल पुरानी सभ्यता बताता है तो कोई लाखों वर्ष पुरानी। बहरहाल यह मानने में गुरेज नहीं है कि भारतीय सभ्यता दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक है। जाहिर है कि अपनी इस विकास यात्र में उसने जो हासिल किया है, उसमें मनुष्य की श्रम केंद्रित जीजिविषा के साथ ही नियति के पत्थरों को बड़ा योगदान है। ऐसा नहीं कि अतीत में इस ज्ञान परंपरा पर हमले नहीं हुए। फिर भी अगर वह जिंदा बची हुई है तो जाहिर है कि उसमें कुछ तो खास है।

कोरोना से जंग में आधुनिक चिकित्सा पद्धति को कर्णधारों ने भी स्वीकार किया कि इस विषाणु के हमले का मुकाबला करने के लिए बेहतर है कि अंदरूनी ताकत को बढ़ाया जाए। आधुनिक विज्ञान इसे इम्युनिटी यानी रोग प्रतिरोधक क्षमता कहता है। आधुनिक चिकित्सा पद्धति के पास इम्युनिटी व्यवस्था को मजबूत करने का कारगर तंत्र नहीं है। ऐसे मौके पर आगे आई भारतीय ज्ञान परंपरा, जिसमें प्रकृति से साहचर्य पर जोर है। भारतीय पारंपरिक चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद तो सदियों से इसी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के आधार पर काम करता रहा है। कोरोना रूपी दैत्य से मुकाबले के लिए देवताओं से मिले आयुर्वेद के बाणों की महत्ता दुनिया ने समझी। ऐसे में आयुर्वेद का प्रसार बढ़ना ही था। इन दिनों आयुर्वेद का जिस तरह से बाजार बढ़ा है, उससे स्पष्ट है कि साल 2021 में वह कोरोना से मुकाबले की सबसे प्रमुख चिकित्सा व्यवस्था बनने जा रही है। चूंकि पूरी दुनिया ने स्वीकार कर लिया है कि इम्युनिटी को बढ़ाकर ही कोरोना के अदृश्य दैत्य का सफल मुकाबला किया जा सकता है, इस वजह से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाली आयुर्वेदिक औषधियों की मांग बढ़ी है। हर नए वक्त का भवन, बीते वक्त की नींव पर खड़ा होता है। जाहिर है कि 2021 भी बीते वर्ष की बुनियाद पर ही आगे बढ़ेगा। इस साल पूरी दुनिया में कोरोना को रोकने वाली वैक्सीन के उत्पादन और उन्हें जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाने पर ज्यादा जोर दिया जाएगा। हमारे देश के लिए यह बड़ी चुनौती होगी। हालांकि भारत ने दो अरब खुराक वैक्सीन के उत्पादन और खरीद का लक्ष्य रखा है। इसके बावजूद इसको सही तरीके से जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाना और उन्हें लगाना बड़ी चुनौती होगी।

विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा बनाए गए प्रोटोकॉल ने जिस तरह दुनिया को आशंकित किया और डराया, उससे धीरे-धीरे लोग उबर रहे हैं। इसका यह भी मतलब नहीं है कि आशंकाओं के बादल पूरी तरह खत्म हो चुके हैं। इस बीच भारत का अति लोकतंत्र भी सक्रिय हो गया है और उसने अपनी तरह से भावी टीकाकरण प्रक्रिया में अड़ंगा डालने की कोशिशें शुरू कर दी हैं। मुस्लिम धर्मगुरुओं के नाम पर कई अफवाहें भी फैलाई जा रही हैं। बेशक आज शिक्षा का प्रसार बढ़ा है। इसके बावजूद कथित धार्मिक अंधकूप में डूबने वाले भी बहुतेरे हैं। करीब दो दशक पहले जब भारत पोलियो का मुकाबला कर रहा था, तब मुस्लिम समुदाय में अफवाह फैल गई थी कि उसके वैक्सीन से नपुंसकता बढ़ती है। इस वजह से पोलियो ड्रॉप पिलाने मुस्लिम मोहल्लों में गए कर्मचारियों और स्वयंसेवकों से दु०?यवहार हुए थे। कोरोना को लेकर भी इस बार कुछ ऐसे ही हालात बनाने की कोशिश हो रही है।

महामारी जनित चुनौतियां बनी रहेगी, अपने सामर्थ्य से चुनौतियों को अवसर में बदले देश

कोरोना महामारी के साये में बीते इस वर्ष को शायद ही कोई याद रखना चाहेगा। उम्मीद की जा रही है कि नए साल में जल्द ही हमें इससे बचाव के लिए वैक्सीन उपलब्ध होगी। स्वयं प्रधानमंत्री ने भी कहा है कि विज्ञानियों की हरी झंडी मिलते ही टीकाकरण का अभियान शुरू किया जाएगा। इस दौरान कई देशों की वैक्सीन चर्चा में है। लेकिन दुनिया की नजर सस्ती व सुरक्षित वैक्सीन पर है। इसलिए दुनिया की निगाहें भारत पर है। एक साल के भीतर ही कोरोना की वैक्सीन बनाकर भारत दुनिया के विकसित देशों की कतार में शामिल हो गया है। वैक्सीन तैयार करने वाले संस्थान को प्रधानमंत्री केयर फंड सीधे सहायता धनराशि उपलब्ध कराई गई। यदि यह काम परंपरागत प्रक्रिया से होता तो रकम जारी होने में ही लंबा समय लग जाता। इसका अर्थ है कि नेतृत्व में यदि दूरदर्शिता हो तो हमारे विज्ञानी भी वह सब कर सकते हैं जो अब तक विकसित देशों में ही हो सकता था। परमाणु अंतरिक्ष और रक्षा क्षेत्र में हमारी अपनी उपलब्धियां हैं। लेकिन यह सबसे बड़ी विडंबना है कि हमारा उपभोक्ता बाजार विदेशी कंपनियों के माल से भरा पड़ा है। पर जिस किसी भी क्षेत्र में लक्ष्य तय किए गए और हमारे विज्ञानियों को चुनौतियां मिलीं, वहां उन्होंने सफलता प्राप्त की है। दरअसल भारत एक सुप्त महाशक्ति है। यदि वह जाग जाए तो विश्व अर्थव्यवस्था को व्यापक रूप से प्रभावित कर सकता है। इतिहास इसका गवाह है कि भारत दुनिया के सभ्य व संपन्न देशों में से एक था। सिंधु घाटी सभ्यता तथा मोहनजोदड़ो व हड़प्पा के अवशेष इस बात का प्रमाण हैं कि पुरातन काल में ही भारत मिट्टी के बरतन बनाने की कला, औजार, आभूषण, मानव-निर्मित वस्तुओं तथा मिश्रित धातु की मूर्तियों के निर्माण का कौशल विकसित कर चुका था। बढ़ती जनसंख्या, अकाल तथा गरीबी के साथ कभी एक संपन्न देश रहा भारत आक्रमणकारी विदेशी शासकों द्वारा दमन तथा दरिद्रता का शिकार बना दिया गया। वर्ष 1857 में आजादी के पहले स्वप्न ने परिवर्तन की प्रक्रिया को उकसा दिया। बाद में स्वतंत्रता आंदोलन ने राजनीति, जनजीवन, संगीत, कविता, साहित्य तथा विज्ञान में बेहतरीन नेताओं को उभारा। यह आंदोलन मन तथा उद्देश्य की एकता के साथ देशभक्ति और समर्पण द्वारा प्रेरित था।

आज भारत के पास विशाल पैमाने पर कुशल और दक्ष मानव संसाधन है। सरकार द्वारा आरंभ पंचवर्षीय योजनाओं तथा मिशन मोड कार्यक्रमों के कारण मानव संसाधन का बड़े पैमाने पर विकास हुआ, लेकिन हमारे देश में बहुत से लोग सोचते हैं कि सब कुछ सरकार ही करेगी। हमारी कोई जिम्मेदारी नहीं है। दुनिया की कोई भी सरकार सबको रोजगार नहीं दे सकती है। अपने देश में आजादी है, लेकिन जिम्मेदारी की भावना नहीं है। हर जगह हम मनमाने ढंग से व्यवहार करते हैं। चाहे सड़क पर वाहन चलाने की बात हो या कहीं भी कूड़ा-कचरा फेकने की। इसमें परिवर्तन की आवश्यकता है। देश को मुख्यत~ आर्थिक शक्ति से सशक्त बनाया जा सकता है। आर्थिक शक्ति प्रतिस्पर्धा से आएगी व प्रतिस्पर्धा ज्ञान से उत्पन्न होती है। ज्ञान को प्रौद्योगिकी से समृद्ध करना होता है और प्रौद्योगिकी को व्यवसाय से शक्ति प्राप्त होती है। व्यवसाय को नवीन प्रबंधन से शक्ति मिलती है और प्रबंधन नेतृत्व से प्रबल होता है। मस्तिष्क की नैतिक श्रेष्ठता नेता की सबसे बड़ी विशेषता है। संयोग से यह क्षमता भी आज देश के नेतृत्व में है। हमें इस अवसर को खोना नहीं चाहिए। हमारी संस्कृति और सभ्यता युगों से उन महान विचारकों द्वारा समृद्ध की जाती रही है, जिन्होंने हमेशा जीवन को मस्तिष्क, शरीर तथा बुद्धि के मेल के रूप से एक समन्वित रूप में देखा है। आनेवाले दशकों में देश के युवा सभ्यतागत तथा आधुनिक प्रौद्योगिकीय धाराओं का एक संगम देखेंगे।आज हमारे युवा वैज्ञानिक अनुसंधान, आविष्कार और नवीन प्रयोग में संलग्न होने की बेहतर स्थिति में हैं, क्योंकि ये उच्च प्रौद्योगिकी विकास के बड़े घटक हैं। इन कारकों के बीच एक भिन्नता स्थापित करना उपयोगी है।

वैज्ञानिक अनुसंधान भौतिक विश्व की प्रकृति के ज्ञान की प्राप्ति से संबंधित है। आविष्कार किसी नए उत्पाद, प्रक्रिया या सेवा का निर्माण या किसी ऐसी चीज का निर्माण है जो अस्तित्व में नहीं है। भारत के युवाओं के पास विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी को माध्यम के रूप में इस्तेमाल करते हुए इस दशक के अंत तक विकसित भारत के लक्ष्य द्वारा देश के लिए योगदान करने का एक अनूठा अवसर है। युवाओं का अदम्य उत्साह, राष्ट्र-निर्माण की क्षमता और रचनात्मक नेतृत्व भारत को प्रतिस्पर्धात्मक लाभ व विश्व में सही स्थान दिला सकते हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपने उत्पादों को बेचने की आक्रमक प्रवृत्ति का भारतीय उद्यमियों में अभाव है। हमें भारतीय उत्पादों को प्रोत्साहित करना चाहिए। हमें अपनी जैव-विविधता को पहचानना चाहिए और उन्हें पेटेंट करना चाहिए। ज्ञान से संपन्न मस्तिष्क उत्पन्न करने के लिए शिक्षा महत्वपूर्ण है, ताकि वे नए विचार दे सकें। दुर्भाग्यवश हमारी शिक्षा-प्रणाली ऐसा नहीं करती। उसमें एक प्रकार की सीखने की प्रक्रिया होनी चाहिए, न कि केवल पढ़ने की। पर यह संतोष की बात है कि मोदी सरकार इस दिशा में भी तेजी से काम कर रही है। भारत को विकसित देश बनाने के लिए देश के वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, प्रौद्योगिकीविदों, तकनीशियनों तथा कृषकों व अन्य लोगों को अपनी जिम्मेदारी को निभाना चाहिए।

क्लासरूम वाली पढ़ाई

करीब दस महीनों से बंद पड़े स्कूल अब खुलने लगे हैं। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान से लेकर कर्नाटक और केरल तक कई राज्यों की सरकारें कुछ नियमों और शर्तों के साथ स्कूल खोलने की इजाजत दे रही हैं। इतनी लंबी अवधि तक स्कूलों का बंद रहना सबके लिए नुकसानदेह साबित हुआ है। कहने को इस दौरान ऑनलाइन क्लासेज चलती रही हैं, लेकिन आर्थिक, सामाजिक और बौद्धिक स्तर पर अलग-अलग स्थिति वाले बच्चों के व्यक्तित्व विकास को ध्यान में रखें तो स्कूल जाकर क्लासरूम में पढ़ाई करने की कोई तुलना ऑनलाइन पढ़ाई से नहीं हो सकती। इसके अलावा यह भी मानना पड़ेगा कि ऑनलाइन कक्षाओं का चलन बच्चों में और भी दुखद श्रेणी विभाजन का कारण बना है।

महानगरों में रहनेवाले साधनसंपन्न परिवारों के बच्चों का एक छोटा तबका ही कायदे से ऑनलाइन क्लासेज का फायदा उठा पाया है। अव्वल तो सारे स्कूलों में यह सुविधा ही मौजूद नहीं है, और जहां है वहां भी लैपटॉप और मोबाइल तक सीमित पहुंच तथा बिजली और नेटवर्क जैसी बाधाओं के चलते ज्यादातर बच्चे क्लास की सारी बातें नहीं समझ पाए। एक ही क्लास में जानकारी के अलग-अलग स्तर वाले बच्चों को लेकर आगे बढ़ना शिक्षकों के लिए बड़ी चुनौती साबित होने वाला है। मगर बात इतनी ही नहीं है। दस महीने की इस बंदी ने शिक्षा का ढांचा ढह जाने का खतरा पैदा कर दिया है। स्कूलों के वित्तपोषण से जुड़ी एक कंपनी आईएसएफसी द्वारा करवाए गए सर्वे के मुताबिक देश के 17.06 फीसदी स्कूल ऐसे रहे जहां इस साल फीस के नाम पर कुछ भी जमा नहीं हो पाया। 59.74 फीसदी स्कूलों में फीस कलेक्शन 40 प्रतिशत से भी कम रहा। स्वाभाविक रूप से इसका असर स्टाफ की सैलरी पर पड़ा। सर्वे के मुताबिक 26.49 फीसदी स्कूलों ने कर्मचारियों की छंटनी करने और 36.43 फीसदी ने वेतन में कटौती करने की बात स्वीकार की। जाहिर है, यह स्थिति लंबे समय तक नहीं चल सकती। राज्य सरकारों द्वारा स्कूल खोलने की इजाजत देने का एक रिश्ता इस संकट से भी है।

रहा सवाल महामारी का तो रोजाना नए संक्रमणों की संख्या भारत में भले कम हो गई हो, लेकिन वायरस का खतरा कम नहीं हुआ है। खासकर ब्रिटेन से फैल रहे कोरोना वायरस के नए स्ट्रेन ने स्कूलों के लिए मुश्किल और बढ़ा दी है। वहां हालात लगभग काबू में आ गए थे, मगर युवाओं और बच्चों के लिए ज्यादा खतरनाक इस नए स्ट्रेन का उत्पात देखकर पूरे देश में फिर से सख्त लॉकडाउन लागू करना पड़ा। वैक्सीनें अगर पूरी तरह प्रभावी साबित होती हैं तो भी व्यापक आबादी तक उनके पहुंचने में वक्त लगेगा। ऐसे में बचाव का सबसे कारगर तरीका आज भी अधिकतम सावधानी बरतने का ही है। सरकारों ने स्कूलों पर ऐसी कई पाबंदियां लगाई हैं।

आज के दौर में युवाओं के बेहतर भविष्य के लिए स्वामी विवेकानंद के विचार और भी प्रासंगिक

स्वामी विवेकानंद एक कर्मयोगी थे। उन्होंने सिर्फ शिक्षा और उपदेश नहीं दिए, बल्कि उन्हें अपने जीवन में सबसे पहले उतारा। योगी होने के साथ-साथ उन्होंने समाज के सबसे कमजोर तबके को अपना भगवान माना और उनकी सेवा करते रहे। अपनी आध्यात्मिक चेतना के साथ-साथ अपनी सामाजिक चेतना को भी जाग्रत रखा और समाज का काम करते रहे। स्वामी विवेकानंद अपने विचारों, आदर्शो और लक्ष्यों की वजह से आज भी बहुत प्रासंगिक हैं। उन्होंने युवाओं को शारीरिक, सामाजिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक संधान के माध्यम से इन्हें प्राप्त करने का तरीका बताया।

भारत और दुनिया के युवाओं को प्रभावित करने वाले महापुरुषों में स्वामी विवेकानंद एक बड़ा नाम है। उनके शिकागो में वर्ष 1893 में दिए गए भाषण ने उन्हें भारतीय दर्शन और अध्यात्म का अग्रदूत बना दिया। तब से लेकर आज तक उनके विचार युवाओं को प्रभावित करते रहे हैं। आज के दौर में जब युवा नई-नई समस्याओं का सामना कर रहे हैं, नए लक्ष्य तय कर रहे हैं और अपने लिए एक बेहतर भविष्य की आकांक्षा रख रहे हैं तो स्वामी विवेकानंद के विचार और भी प्रासंगिक हो जाते हैं।

विवेकानंद का मानना था कि एक युवा का जीवन सफल होने के साथ-साथ सार्थक भी होना चाहिए, जिससे उसके मस्तिष्क, हृदय और आत्मा का संपोषण भी होता रहे। सार्थक जीवन के विषय में उनके विचारों को चार बिंदुओं में समझा जा सकता है- शारीरिक, सामाजिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक संधान।

स्वामी विवेकानंद का मानना था कि अधिकतर युवा सफल और अर्थपूर्ण जीवन तो जीना चाहते हैं, लेकिन अपना लक्ष्य प्राप्त करने के लिए वे शारीरिक रूप से तैयार नहीं होते। इसलिए स्वामीजी ने युवाओं से अपील की कि वे निर्भय बनें और अपने आपको शारीरिक रूप से स्वस्थ बनाएं। वे कहते थे कि किसी भी तरीके का भय न करो। निर्भय बनो। सारी शक्ति तुम्हारे अंदर ही है। कभी भी यह मत सोचो कि तुम कमजोर हो। उठो, जागो और तब तक न रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए। वह हमेशा मानसिक रूप से

सशक्त होने के साथ-साथ शारीरिक रूप से मजबूत होने की बात भी कहते थे। गीता पाठ के साथ-साथ फुटबॉल खेलने को भी वह उतना ही महत्वपूर्ण मानते थे। उन्होंने साफ कहा कि शक्ति ही जीवन है, कमजोरी ही मृत्यु है और कोई भी व्यक्ति तब तक भौतिक जीवन का सुख नहीं ले सकता, यदि वह ताकतवर नहीं है।

स्वामी विवेकानंद चाहते थे कि युवा अधिक से अधिक संख्या में सामाजिक गतिविधियों में शामिल हों, जिससे न केवल समाज बेहतर बनेगा, बल्कि इससे व्यक्तिगत विकास भी होगा। उन्होंने सामाजिक सेवा के साथ आध्यात्मिकता को भी जोड़ा और मनुष्य में मौजूद ईश्वर की सेवा करने की बात कही। उनके अनुसार समाज सेवा से चित्तशुद्धि भी होती है। उन्होंने समाज के सबसे कमजोर तबके के लोगों की सेवा करके एक नए समाज के निर्माण की बात कही। युवाओं से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि बाकी हर चीज की व्यवस्था हो जाएगी, लेकिन सशक्त, मेहनती, आस्थावान युवा खड़े करना बहुत जरूरी है। ऐसे 100 युवा दुनिया में एक नई क्रांति कर सकते हैं।

स्वामी विवेकानंद ने युवाओं में शारीरिक शक्ति और समाज सेवा का भाव होने के साथ-साथ बौद्धिक संधान पर भी बल दिया ताकि युवा दोनों प्रकार की दुनिया को भलीभांति समझ सके। उन्होंने सभी के लिए शिक्षा की बात करते हुए कहा, शिक्षा कोई जानकारियों का बंडल नहीं जो दिमाग में रख दिया जाए और जिंदगी भर परेशान करते रहे। हमें तो ऐसे विचारों को संजोना है जो समाज निर्माण, व्यक्ति निर्माण, चरित्र निर्माण करे। उन्होंने एक राष्ट्रीय शिक्षा व्यवस्था की बात कही जिसमें भौतिक और आध्यात्मिक शिक्षा देश के लोगों के हाथों में हो और राष्ट्रीय चिंतन के आधार पर हो।

उन्होंने भारत के पुनर्निर्माण में शिक्षा के महत्व पर बल देते हुए कहा कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो आम जनता की मदद करे और वह जीवन में संकटों से निपटने में मददगार बने, चरित्र निर्माण करे, परोपकार का भाव जगाए और सिंह की भांति साहस प्रदान करे। स्वामी विवेकानंद ने पश्चिमी सभ्यता की सराहना तो की, परंतु भारतीय दर्शन और अध्यात्म के प्रेम में वे वशीभूत थे। उन्होंने भारतीय युवाओं से कहा कि पश्चिमी सभ्यता में बहुत कुछ सीखने को है, परंतु भारत की आध्यात्मिक थाती का कोई सानी नहीं है। इसलिए युवाओं को अपने जीवन में आध्यात्मिकता का भाव अवश्य रखना चाहिए। कहा कि पश्चिम का विचारवान युवा, भारतीय आध्यात्म में एक नई उमंग प्राप्त कर रहा है और जिस आध्यात्मिक भूख व प्यास की तलाश में वे हैं, वो उन्हें यहां मिल रही है।

विवेकानंद ने युवाओं को आध्यात्मिक संधान पर जाने की बात कही, जिससे न केवल उन्हें अपना लक्ष्य पाने में आसानी होगी, बल्कि वे जीवन में महानतम लक्ष्य बना सकें। उन्होंने साफ कहा कि जीवन बहुत छोटा है, लेकिन आत्मा अजर-अमर है, इसलिए अपने जीवन को एक बड़े लक्ष्य की प्राप्ति में लगा दो। एक बार जीवन की कठिनाइयों पर भाषण करते हुए उन्होंने कहा कि त्याग और सेवा के आदर्शो को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करना चाहिए, जिससे ये युवाओं के जीवन का अभिन्न हिस्सा बन सकें।

स्वामी विवेकानंद ने चार क्षेत्रों में युवाओं से संधान करने के लिए कहा। इसके माध्यम से वे व्यक्ति और राष्ट्र की सामूहिक चेतना को जगाना चाहते थे। उन्होंने इस भारत के सभ्यतागत मूल्यों पर पूरी आस्था बनाए रखी और युवाओं से राष्ट्र पुनर्निर्माण की अपील की। उनके सपनों का भारत एक ऐसी भूमि और समाज था, जहां मानव मात्र का सम्मान और स्वतंत्रता होने के साथ-साथ प्रेम, सेवा और शक्ति का भाव भी हो।

स्वामी विवेकानंद एक कर्मयोगी थे। उन्होंने सिर्फ शिक्षा और उपदेश नहीं दिए, बल्कि उन्हें अपने जीवन में सबसे पहले उतारा। योगी होने के साथ-साथ उन्होंने समाज के सबसे कमजोर तबके को अपना भगवान माना और उनकी सेवा करते रहे। अपनी आध्यात्मिक चेतना के साथ-साथ अपनी सामाजिक चेतना को भी जाग्रत रखा और समाज का काम करते रहे। स्वामी विवेकानंद अपने विचारों, आदर्शो और लक्ष्यों की वजह से आज भी बहुत प्रासंगिक हैं। उन्होंने युवाओं को शारीरिक, सामाजिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक संधान के माध्यम से इन्हें प्राप्त करने का तरीका बताया। आज का युवा इनमें से किसी एक भी मार्ग पर चलकर शांति, समृद्धि और आनंद की प्राप्ति कर सकता है।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

स्वामी विवेकानंद की जयंती पर बौंसी में निकाली गई शोभायात्रा, युवा दिखे उत्साहित

बांका । मंगलवार को स्वामी विवेकानंद की जयंती पर कई स्थानों पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया है । जिले के रजौन में गोष्ठी आयोजित की जाएगी। जबकि बौंसी बाजार में शोभायात्रा निकाली गई। इसमें मुख्य रुप से भाजपा के जिलाध्यक्ष विकास सिंह, भाजयुमो के जिला अध्यक्ष रंजीत यादव सहित दर्जनों भाजपाई मौजूद थे। शोभायात्रा गोकुल बिहार से निकलकर मुख्य चौक से डैम रोड, दुर्गा मंदिर होते हुए वापस गांधी चौक होते हुए गोकुल विहार होटल के पास पहुंची। इस क्रम में युवाओं को जागृत करने पर बल दिया। वक्ताओं ने स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया । इस अवसर पर भाजपा जिला मंत्री छोटू ठाकुर , जिला प्रवक्ता अभिजीत सिंह, नवनीत आनंद, युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष अभिषेक कुमार, संतोष चौधरी, छोटू साह, मोंटी सिंह, दीपक पांडेय, श्रीकांत यादव, शुभम सिंह, रितेश वर्मा, संध्या सिंह सहित अन्य सक्रिय लोग थे ।

इधर, चमन साह विद्या मंदिर में स्वामी विवेकानंद की जयंती मनाई गई। प्राचार्य शैलेन्द्र कुमार, आचार्य विनय कुमार सिंह, दिलीप झा, आकाश, संजना सहित अन्य लोग मौजूद थे। प्राचार्य ने बताया कि कोरोना के कारण इस बार झांकी नहीं निकाली गई है। शारीरिक दूरी का पालन करते हुए जयंती मनाई गई। इसमें सभी वर्ग के बच्चे शामिल हुए। रजौन के शिवमनी एजुकेशलन संस्थान में भी दोपहर में जयंती मनाई जाएगी। संस्था के सचिव शिवपूजन सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में कई लोग शामिल होंगे।

लालू के करीबी जगदानंद की भाषा तो देखिए, बीजेपी-जेडीयू को बोले- हर भौंकने वाले का जवाब नहीं देते

पटना । बिहार की सियासत में भाषाई मर्यादा का टूटना नई बात नहीं, लेकिन इस ट्रेंड में इधर फिर उछाल आता दिख रहा है। शुरूआत राष्ट्रीय जनता दल के जिम्मेदार व परिपक्व माने जाने वाले प्रदेश अध्यक्ष जदगादनंद सिंह ने की है। बीते दोत-तीन दिनों से आरजेडी पर हो रहे सियासी वार पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि हरा भौंकने वाले का जवाब देना जरूरी नहीं है। जगदानंद सिंह आरजेडी में पार्टी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के करीबी माने जाते हैं।

भूपेंद्र व ललन सिंह के बयानों पर दी प्रतिक्रिया- विदित हो कि बीते रविवार को भारतीय जनता पार्टी के नेता भूपेंद्र यादव ने कहा था कि खरमास के बाद आरजेडी में बड़ी फूट होगी। तेजस्वी यादव खरमास के बाद अपनी पार्टी बचाने पर ध्यान दें। इसके अगले दिन सोमवार को भूपेंद्र यादव के बयान की ओर मीडिया के ध्यान दिलाने पर जनता दल यूनाइटेड के वरीय नेता व सांसद राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कहा कि भूपेंद्र यादव तो कम बोल रहे हैं, जिस दिन वे तय कर लेंगे, पूरे आरजेडी का ही बीजेपी में विलय हो जाएगा। जगदानंद सिंह बीजेपी व जेडीयू नेताओं के इन्हीं बयानों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। जगदानंद सिंह सोमवार को राबड़ी देवी के आवास पर तेजस्वी यादव के नेतृत्व में आयोजित आरजेडी के उपाध्यक्षों की बैठक के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान यह बात कही।

जगदानंद सिंह के बयान में कहा कि कभी बीजेपी कहती है तो कभी जेडीयू दावा करता है कि आरजेडी को तोड़ देंगे। अब हर भौंकने वाले को जवाब देना जरूरी है क्या उन्होंने कहा कि आरजेडी जनता के मुद्दों को लेकर पूरी मजबूती के साथ लड़ रही है। जनहित के मुद्दों को लेकर पार्टी जब भी जरूरी होगी, सड़कों पर नजर आएगी। आगामी 30 जनवरी को महात्मा गांधी के शहादत दिवस पर आरजेडी किसानों के समर्थन में एक दिनी आंदोलन करेगी। जगदानंद सिंह द्वारा अपने बयान में बीजेपी नेता भूपेंद्र यादव तथा जेडीयू नेता ललन सिंह को निशाने पर लेने में आरजेडी की बौखलाहट की झलक दिखी।

बक्सर में युवती को उठाने घर पहुंच गए दबंग, विरोध करने पर पिता को पीटकर किया घायल

बक्सर । बिहार के बक्सर में दबंगा का आंतक बढ़ गया है। जिले के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र में एक युवती के अपहरण का प्रयास किए जाने का मामला सामने आया है। घटना का विरोध करने पर अपहर्ताओं ने युवती के पिता को देसी कट्टे की बट से मारकर घायल कर दिया। इस मामले में गांव के ही दो युवकों पर आरोप लगाते मुफ्फसिल थाने में दिए आवेदन में नामजद किए जाने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। आरोपित की अभी गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। घटना को लेकर इलाके में तनाव का माहौल है। स्थानीय लोग आरोपितों को गिरफ्तार करने की मांग कर रहे हैं।

घर के दरवाजे से अपहरण का किया प्रयास- घटना के सम्बन्ध में मिली जानकारी के अनुसार मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के निवासी एक व्यक्ति की पुत्री सोमवार की शाम तकरीबन छह बजे अपने घर के दरवाजे पर खड़ी थी। इसी बीच स्व. गंगा यादव का पुत्र जख्मी यादव तथा सुभाष यादव का पुत्र विक्की यादव वहां पहुंच गए और युवती के अपहरण का प्रयास करने लगे। युवती के शोर मचाने की आवाज सुनकर घर से निकले पिता ने घटना को देख पुत्री को अपहृत होने से बचाने के लिए विरोध किया। इसपर दोनों नामजद आरोपितों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। इसी बीच एक युवक ने हाथ में लिए हुए देसी कट्टे की बट से मारकर उनका सर फोड़ दिया। तभी शोर-शराबा सुनकर जैसे ही ग्रामीण जुटने लगे कि दोनों वहां से भाग निकले। इस मामले को लेकर पिता द्वारा थाने में आवेदन देते हुए दोनों आरोपितों को नामजद करते हुए पुत्री के अपहरण के प्रयास का आरोप लगाया गया है। अपहरण के प्रयास और मारपीट के मामले में थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि आवेदन प्राप्त होने के बाद आगे की कार्रवाई की जा रही है।

उत्तर प्रदेश में तीसरा उप मुख्यमंत्री बनाए जाने की चर्चा तेज, विधान परिषद चुनाव के बाद होगा फैसला

लखनऊ । भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश में 2022 में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव की तैयारी में तेजी से लगी है। विधान परिषद चुनाव में 12 सीट पर 28 जनवरी को होने मतदान के बाद योगी आदित्यनाथ मंत्रिमंडल में भी फेरबदल के कयास हैं। इस दौरान उत्तर प्रदेश को एक और उप मुख्यमंत्री मिल सकता है। इसी बीच उत्तर प्रदेश के मूल निवासी गुजरात कैडर के आइएएस अधिकारी के भी भाजपा में शामिल होने चर्चा जोरों पर है। अपनी सेवा का दो वर्ष का कार्यकाल बाकी रहते स्वैच्छिक सेवानिवृति लेने वाले इस अधिकारी को पीएम नरेंद्र मोदी का बेहद खास माना जाता है।

उत्तर प्रदेश में तीसरे उपमुख्यमंत्री की तलाश तेज हो गई है। भाजपा राज्य में 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। इसी कड़ी में भाजपा को एक और उप मुख्यमंत्री की तलाश है जो राज्य के जातीय समीकरण में फिट बैठे। फरवरी के दूसरे हफ्ते में योगी आदित्यनाथ मंत्रिमंडल में एक फेरबदल हो सकता है। इसी दौरान एक और डिप्टी सीएम को शपथ भी दिलाई जाएगी। फिलहाल केशव प्रसाद मौर्य और डॉ. दिनेश शर्मा उपमुख्यमंत्री का पद संभाल रहे हैं।

प्रदेश के योगी आदित्यनाथ मंत्रिमंडल में जहां कुछ मंत्रियों के पर कतरे जा सकते हैं, वहीं संगठन में काम कर रहे कुछ लोगों को मंत्री पद का दायित्व सौंपा जा सकता है। पार्टी के प्रदेश प्रभारी राधा मोहन सिंह इसको लेकर अपना खाका तैयार कर चुके हैं। योगी आदित्यनाथ मंत्रिमंडल के संभवत- अंतिम फेरबदल में कम से कम दो कैबिनेट मंत्री समेत छह मंत्रियों को सरकार में शामिल किया जाने पर विचार हो गया है। प्रदेश में विधानसभा उप चुनाव के बाद अब सरकार को विधान परिषद चुनाव परिणामों का इंतजार है। प्रदेश में विधानसभा उपचुनाव और शिक्षा क्षेत्र के विधान परिषद चुनाव के बाद अब सदन में भारतीय जनता पार्टी की ताकत और बढ़ चुकी है। ऐसे में कुछ नए मंत्रियों को सरकार में शामिल करना बेहद जरूरी हो गया है।

योगी आदित्नाथ सरकार से कुछ मंत्रियों की छुट्टी हो सकती है जबकि कुछ के दायित्वों कमी की जाएगी। इस दौरान कुछ अन्य मंत्रियों को बड़ी जिम्मेदारी भी दी जा सकती है। दो कैबिनेट मंत्री की जगह वैसे भी खाली है। इस बार के विस्तार में योगी आदित्यनाथ मंत्रिमंडल में संगठन से लोगों को मौका मिलेगा। संगठन से विद्यासागर सोनकर और विजय बहादुर पाठक में से किसी एक को सरकार में भेजा जा सकता है। पूर्व कैबिनेट मंत्री चेतन चौहान की पत्नी संगीता चौहान भी चुनाव जीतकर आई हैं।

दूसरी ओर बुलंदशहर सीट से भाजपा विधायक वीरेंद्र सिरोही की पत्नी उषा सिरोही चुनाव जीती हैं। इनमें से भी किसी एक को सरकार में लाया जा सकता है। योगी आदित्यनाथ मंत्रिपरिषद में इस समय कुल 54 मंत्री हैं जिनमें 23 कैबिनेट मंत्री हैं। नौ मंत्रियों को स्वतंत्र प्रभार के साथ राज्यमंत्री का दर्जा मिला है। जबकि 22 राज्य मंत्री हैं। योगी आदित्यनाथ सरकार का पिछला मंत्रिमंडल विस्तार 19 अगस्त 2019 में किया था।

उत्तर प्रदेश के मऊ जिले के काजा खुर्द निवासी अरविंद कुमार शर्मा गुजरात कैडर के 1988 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। वह पीएम नरेंद्र मोदी के बेहद खास माने जाते हैं। अभी उनका कार्यकाल करीब दो वर्ष का बाकी था कि उन्होंने बीते वर्ष जुलाई में स्वैच्छिक सेवानिवृति ले ली है। वह इससे पहले एमएसएमई विभाग में सचिव तथा पीएमओ में अतिरिक्त सचिव थे।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के सचिव शर्मा ने जुलाई 2022 में निर्धारित समय से पहले सेवा से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली। पिछले अप्रैल में एमएसएमई में सचिव के रूप में तैनात थे। शर्मा ने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ-साथ गुजरात में भी सीएम नरेंद्र मोदी के साथ काम किया। वह नरेंद्र मोदी के साथ लंबे समय तक सेवा देने वाले नौकरशाहों में से थे, जब 2001 से नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में पदभार संभाला।

बंगाल दौरे पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, कोलकाता में स्वामी विवेकानंद के पैतृक आवास पहुंचे

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य तीन दिन के पश्चिम बंगाल के दौरे पर हैं। मौर्य ने दौरे के पहले दिन मंगलवार को स्वामी विवेकानंद की जयंती के उपलक्ष्य में मनाए जाने वाले युवा दिवस पर उनके पैतृक आवास जाकर उनको नमन किया।

केशव प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को शिमला स्ट्रीट कोलकाता में स्वामी विवेकानंद के पैतृक आवास पर पहुंच कर उनकी जयंती के शुभ अवसर पर उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि यह सौभाग्य है कि मैं उस जगह पर आया हूं जो न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के लिए महान है। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ने स्वामी विवेकानंद के पैतृक आवास पर श्रद्धांजलि दी और उनके आवास में स्थापित शिवलिंग की पूजा अर्चना की। उन्होंने कहा कि विश्व में भारतीय संस्कृति को स्थापित करने वाले युवाओं के प्रेरणास्त्रोत स्वामी विवेकानंद की जयंती पर कोटि कोटि नमन।

स्वामी विवेकानंद ने अपने विचारों से पूरे विश्व में भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म की गहरी छाप छोड़ी। शिकागो का उनका ऐतिहासिक भाषण आज भी प्रासंगिक है। आज उनकी जयंती पर उन्हें नमन एवं समस्त देशवासियों को युवा दिवस की शुभकामनाएं।

केशव प्रसाद मौर्य ने इस दौरान कहा कि अब बंगाल भी स्वामी जी आदर्शों पर चलने को तैयार है। डिप्टी सीएम केशव मौर्य मंगलवार को सुबह 8.15 बजे गौरांग लॉज गोघट पहुंचे। आज वह भाजपा के प्रमुख कार्यकर्ताओं के बैठक करेंगे। इसके बाद बजे जिला कमेटी की बैठक में शामिल होंगे।

जिले के इस गांव में पानी निकासी को लेकर दो पक्षों हिंसक झड़प, रोड़ेबाजी, कई जख्मी

जमुई । जमुई जिले के मलयपुर थाना क्षेत्र के पतौना गांव में सोमवार की रात सडक पर पानी को गिराने के विवाद में दो पक्षों में जमकर रोड़ेबाजी हुई। इस रोड़ेबाजी में दो महिला सहित पांच लोग जख्मी हो गये। जख्मियों को इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया।पुलिस मौके पर पहुँचकर स्थिति को संभाला। फिलहाल पुलिस मौके पर कैंप कर रही हैं।हालांकि अभीतक दोनों पक्ष द्वारा घटना की लिखित शिकायत पुलिस से नहीं कि गयी है। न ही पुलिस ने दोनों में से किसी पक्षों में किसी को भी पूछताछ के लिए अपने हिरासत में लिया है।

पानी निकासी को लेकर हुआ विवाद- पतौना में सडक के एक किनारे ताती समुदाय तो दूसरे किनारे यादव समुदाय का घर है।रोड पर पानी का जमाव रहता है।इसी बात को लेकर बच्चु ताती व बिपिन यादव के बीच विवाद शुरू हुआ।विवाद मारपीट में बदल गया।मारपीट से आक्रोशित दोनों पक्षों के बीच पत्थरबाजी शुरू हो गई।ताती समुदाय ने यादव समुदाय पर सडक पर पानी बहने का आरोप लगाया तो यादव समुदाय ने नाली के अभाव में पानी की सडक पर पहुँचने की विवशता बतायी। पत्थरबाजी में वहां खडे एक कार व दो टेम्पू को क्षति पहुंची।कार व टेम्पू का शीशा टूट गया। चारों तरफ ईंट और पत्थर से सड़क पटा हुआ था। वहां बिखरा ईट पत्थर के टूकड़े लोगों के आक्रोश को बयां कर रहा था।

पांच लोग हुए घायल- रोड़ेबाजी में बिपिन यादव,अमित कुमार,हरखित यादव,कौशल्या देवी सहित एक अन्य महिला जख्मी हो गया है।बताया गया है कि रोड़ेबाजी के बीच पूरे गाँव में अफरातफरी मच गयी थी।दोनों तरफ से लगभग एक घंटे तक रोड़ेबाजी हुई।

घटनास्थल पर पुलिस कर रही कैंप

रोड़ेबाजी के बाद स्थिति को नियंत्रण करने के लिए मलयपुर थाना की पुलिस लगातार कैंप कर रही है।हालांकि माहौल तनावपूर्ण बना है। मलयपुर के थानाध्यक्ष विजय कुमार ने कहा कि पुलिस गांव पर नजर लगाए हुए है। फिलवक्त स्थिति नियंत्रण में है।

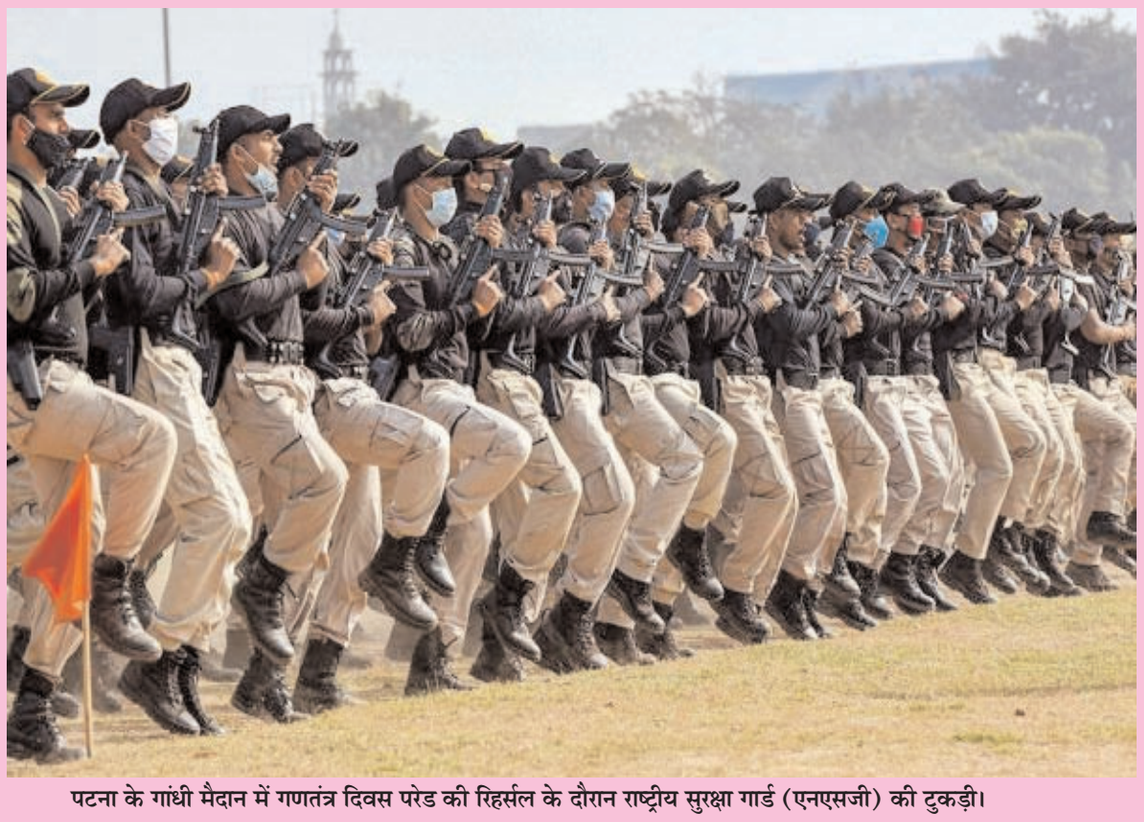

पटना के गांधी मैदान में गणतंत्र दिवस परेड की रिहर्सल के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) की टुकड़ी।

पूर्वांचल में भाजपा विवेकानंद जयंती मनाएगी तो सुभासपा गठबंधन का झंडा लहराएगी

वाराणसी । कोविड-19 को लेकर शांत पड़ा पूर्वांचल का सियासी पारा अब चढ़ने जा रहा है। 12 जनवरी को जहां भाजपा स्वामी विवेकानंद की जयंती को लेकर आयोजित विविध कार्यक्रमों में शिरकत करेगी तो वहीं, एआइएमएआइएम के प्रमुख व सांसद असदुद्दीन ओवैसी तथा सपा प्रमुख व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के आने के बाद विपक्षी दलों की सरगर्मी की आंच भी कम नहीं रहेगी।

पूर्वांचल के भगवा किले में भाजपा को चुनौती देने के लिए छोटे दलों का गठबंधन तैयार कर राजनीतिक जमीन सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) प्रमुख व प्रदेश के पूर्व मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने तैयार की है। यूं समझें कि ओवैसी व ओमप्रकाश राजभर के साथ ही सपा के अखिलेश बनारस से लेकर जौनपुर व आजमगढ़ तक चुनावी बीज बोएंगे। यूं समझें कि सुबह से लेकर शाम तक राजनीतिक दलों के लहराएंगे। ओवैसी का स्वागत करने सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर खुद पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अरुण राजभर के साथ बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर पहुंचेंगे।

एयरपोर्ट से ओवैसी ओमप्रकाश राजभर के गांव फतेहपुर खौदा जाएंगे, जहां अरुण राजभर की बड़ी दादी को श्रद्धांजलि में शामिल होंगे। वहां से ओवैसी आजमगढ़ के दीदारगंज के लिए रवाना होंगे। जहां, एआइएमआइएम के कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल होंगे। एजेंडा भी वर्ष 2022 होने वाला विधानसभा चुनाव रहेगा जिसको लेकर कार्यकर्ताओं से बात करेंगे। आजमगढ़ में कार्यकर्ता सम्मेलन के बाद ओवैसी जौनपुर के लिए रवाना हो जाएंगे। जौनपुर जिले में असदुद्दीन ओवैसी भागीदारी संकल्प मोर्चा में शामिल सभी घटक दलों के पदाधिकारियों से मुलाकात करेंगे।

दो दिवसीय गोरखपुर महोत्सव,ऑनलाइन देखेंगे एक करोड़ लोग, सीएम के हाथों होगा समापन

गोरखपुर । गोरखपुर महोत्सव की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मंगलवार को शुरू हो रहे इस महोत्सव में दो दिनों तक लोक कला का मंच सजेगा। प्रदर्शनी में विज्ञान के नए प्रयोगों को लेकर छात्रों की प्रतिभा दिखेगी तो हाट एयर बैलूनिंग से रोमांच की धूम मचेगी। महोत्सव का उद्घाटन दोपहर बाद दो बजे प्रदेश के पर्यटन मंत्री नीलकंठ तिवारी करेंगे। 13 जनवरी को दोपहर बाद तीन बजे से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महोत्सव का समापन करेंगे। मुख्यमंत्री मंगलवार की शाम तक गोरखपुर पहुंच सकते हैं।

महोत्सव का उद्घाटन एवं समापन कार्यक्रम चंपा देवी पार्क के मुख्य मंच पर होगा। उद्घाटन अवसर पर लखनऊ की आस्था द्वारा गणेश वंदना एवं नृत्य नाटिका (गंगा अवतरण) की प्रस्तुति की जाएगी। शारदा संगीतालय द्वारा विवाह संस्कार गीत एवं घूमर, पनिहारी नृत्य प्रस्तुत किया जाएगा। समापन समारोह में स्मारिका का विमोचन होगा। लखनऊ की स्वाती एवं किशोर चतुर्वेदी भजन प्रस्तुत करेंगे। पहली बार महोत्सव में उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र की प्रस्तुति भी होगी।

अंतिम दिन मैथिली ठाकुर की ओर से सांस्कृतिक प्रस्तुति दी जाएगी। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच महोत्सव में आने वाले लोगों के जायके का ध्यान भी रखा जाएगा। चंपा देवी पार्क में फूड जोन के तहत खाने-पीने की 200 दुकानें लगायी जा रही हैं। बैठकर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का लुत्फ लेने के लिए 700 से अधिक कुर्सियां लगायी गई हैं। ठंड से बचने के लिए अलाव का प्रबंध भी किया जाएगा। स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए डाक्टरों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की तैनाती भी की जा रही है।

पूरे शहर को सजाया गया- गोरखपुर महोत्सव का आयोजन भले ही चंपा देवी पार्क में किया जा रहा है लेकिन इसकी छाप पूरे शहर पर दिखेगी। एयरपोर्ट के साथ ही शहर के हर चौराहे को सजाया गया है। विभिन्न मार्गों पर विद्युत पोल पर एलईडी लाइट लगायी गई है।

वेबसाइट पर होगा सजीव प्रसारण, एक करोड़ लोग देखेंगे- एसडीएम सदर/ज्वाइंट मजिस्ट्रेट गौरव सिंह सोगरवाल ने बताया कि गोरखपुर महोत्सव की वेबसाइट **gorakhpurmahotsav.co.in** बनाई गई है। यहां सभी कार्यक्रमों को सजीव देखा जा सकेगा। करीब एक करोड़ लोगों तक इसकी पहुंच होगी। इसके अतिरिक्त शहर के चार स्थानों पर लगे एलईडी स्क्रीन इसपर सभी कार्यक्रमों का लाइव प्रसारण होगा। उन्होंने बताया कि इस वेबसाइट के जरिए महोत्सव स्थल पर किन्हीं वजहों से नहीं पहुंच पाने वाले लोगों को अपने घर बैठे अपनी सभ्यता, संस्कृति और कला को जानने-समझने का मौका मिलेगा। वेबसाइट के जरिए करीब एक करोड़ लोगों को महोत्सव से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

गोरखपुर महोत्सव बैडमिंटन, कुश्ती, कबड्डी, दिव्यांग ट्राई साइकिल रेस, फुटबाल, खो-खो एवं टेबुल टेनिस की प्रतियोगिता रीजनल स्पोर्ट्स स्टेडियम में सुबह 10 बजे से।

महंत दिग्विजयनाथ पार्क में हाट एयर बैलूनिंग सुबह 10 बजे।- कृषि मेला, सरस मेला, विज्ञान एवं पुस्तक प्रदर्शनी चंपा देवी पार्क में सुबह 10 बजे से।

द्वारा नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन सुबह 11 बजे।

विंध्याचल आजाद द्वारा फरुआही नृत्य का प्रदर्शन दोपहर 12 बजे चंपा देवी पार्क में।

उद्घाटन सत्र दोपहर 12 बजे से दो बजे तक।- गुरु गोरक्षानाथ के जीवन दर्शन पर आधारित एवं गोरखपुर परिक्षेत्र में पर्यटन विकास की संभावनाएं दोपहर बाद दो बजे से एनेक्सी भवन में।

चंपा देवी पार्क के मुख्य मंच पर दोपहर बाद दो बजे से शाम 4.30 बजे तक राष्ट्रीय स्तर के स्थानीय कलाकारों द्वारा सबरंग कार्यक्रम- उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (एनसीजेडसीसी) द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम (बधाई नौरता नृत्य मध्य प्रदेश) चंपा देवी पार्क स्थित मुख्य मंच पी शाम 4.30 बजे से पांच बजे तक।

गीडा स्थित उद्योग भवन में रेडीमेड गारमेंट पर कार्यक्रम दोपहर बाद तीन बजे से।- युवा दिवस के अवसर पर चौरीचोरा की घटना पर आधारित नाट्य मंचन मुक्ताकाशीय मंच पर दोपहर बाद दो बजे।सत्य सारथी संस्था द्वारा नाट्य मंचन शाम चार बजे मुक्ताकाशीय मंच

लखनऊ में मऊ के पूर्व ब्लाक प्रमुख अजीत सिंह हत्याकांड में बड़ी कामयाबी, फरार इनामी शूटर गिरधारी दिल्ली से गिरफ्तार

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में हुई पूर्व ब्लाक प्रमुख व आजमगढ़ के पूर्व विधायक सीपू सिंह के गवाह अजीत सिंह की हत्या के मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपित गिरधारी शर्मा उर्फ डाक्टर उर्फ लोहार को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह गिरफ्तारी सोमवार को दिल्ली पुलिस ने की। उत्तर प्रदेश पुलिस ने आरोपित का सुराग देने वाले को एक लाख का इनाम देने की घोषणा कर रखी थी। बता दें, आरोपित ने लखनऊ के सीजेएम कोर्ट में आत्मसमर्पण की अर्जी भी दी थी।

दिल्ली पुलिस ने छापेमारी कर दबोचा - अजीत सिंह की हत्या में शूटर के तौर पर गिरधारी का नाम सामने आने के बाद पिछले कुछ दिनों से दिल्ली पुलिस को उसके दिल्ली में ही छिपे होने की सूचना मिल रही थी।

ऐसे में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच सहित कई टीमें गिरधारी का सुराग लेने में जुटी हुई थी। इसी क्रम में बाहरी उत्तरी जिले के स्पेशल स्टाफ की टीम को उसके रोहिणी से सटे शाहबाद डेरी इलाके में छिपे होने की जानकारी मिली तो उसके छिपने के ठिकाने पर छापेमारी कर उसे दबोच लिया। फिलहाल पुलिस

उससे पूछताछ कर रही है। अजीत सिंह हत्याकांड के आरोपित गिरधारी उर्फ डॉक्टर ने लखनऊ के सीजेएम कोर्ट में आत्मसमर्पण की अर्जी डाली थी। गिरधारी पर एक लाख का इनाम घोषित है। लखनऊ पुलिस आरोपित की तलाश में दबिश दे रही थी। गिरधारी के अचानक आत्मसमर्पण की अर्जी डालने के बाद से पुलिस महकमे में चर्चा का बाजार गर्म था। इसी बीच आरोपित को सोमवार देर रात में दिल्ली पुलिस ने दबोच लिया।

गिरधारी ने पुलिस का ध्यान भटकाने के लिए दी थी अर्जी - सवाल यह है कि जिस गिरधारी को पिछले कई महीनों से एसटीएफ के अलावा वाराणसी, आजमगढ़ और मऊ की पुलिस गिरफ्तार नहीं कर सकी, उसे दिल्ली पुलिस ने दबोच लिया। कुछ लोग इसे साजिश का हिस्सा भी मान रहे हैं। माना जा रहा है कि पुलिस का ध्यान भटकाने के लिए गिरधारी ने कोर्ट में अर्जी दी थी। पुलिस का कहना है कि इनामी बदमाश की ओर से सीजेएम कोर्ट लखनऊ में अर्जी डाली गई थी। इस प्रकरण में 13 जनवरी को सुनवाई होनी थी। सरेंडर की अर्जी पड़ने की जानकारी मिलने के बाद अटकलों का दौर शुरू हो गया था।

ये है मामला - बता दें, छह जनवरी को मूलरूप से मऊ के मोहम्मदाबाद गोहना निवासी पूर्व ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि व आजमगढ़ के पूर्व विधायक सीपू सिंह के गवाह अजीत सिंह की विभूतिखंड के कठौता चौराहे के पास गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

अजीत बाहुबली विधायक मुख्तार अंसारी के करीबी थे। हत्यारों ने अजीत को 22 गोलियां मारी थीं। अजीत आजमगढ़ के पूर्व विधायक सर्वेश सिंह की हत्या में गवाह थे। अजीत के साथी मोहर सिंह ने आजमगढ़ जेल में बंद कुंटू सिंह, गिरधारी और अखंड सिंह समेत अन्य के खिलाफ साजिश के तहत हत्या की एफआइआर दर्ज कराई थी।

भामाशाह योजना पुन : प्रारंभ कर ईमानदार करदाताओं को करेंगे पुरस्कृत

मुख्यमंत्री ने किया वन नेशन वन टैक्स, एक भारत सशक्त भारत बैठक को संबोधित

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में ईमानदार करदाताओं को प्रोत्साहित करने के लिए भामाशाह योजना के अंतर्गत नए वित्त वर्ष में पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। कर अपवंचन पर अंकुश लगाने की प्रभावी कार्रवाई की जाए। इसके लिए केंद्र और राज्य के जीएसटी अधिकारी संयुक्त प्रयास करें। राजस्व बढ़ाने की कार्यवाही इस तरह की जाए कि जनता को इससे कोई परेशानी न हो।

मुख्यमंत्री श्री चौहान मंगलवार को मंत्रालय में वन नेशन वन टैक्स एक भारत सशक्त भारत बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में बताया गया कि इस वित्त वर्ष डेटा एनालिसिस के माध्यम से 492 करोड़ के कर अपवंचन का पता लगाया गया जिससे प्रवर्तन की कार्यवाही कर 203 करोड़ शासकीय कोष में जमा कराये जा चुके हैं। कुल 1332 वाहनों पर भी कर अपवंचन की दंडात्मक कार्यवाही हुई है। इस वित्त वर्ष में 300 करोड़ से अधिक की राशि प्रवर्तन के माध्यम से प्राप्त होंगी। एनआईसीके ई-वे बिल पोर्टल डेटा और अन्य सूचना प्रौद्योगिकी माध्यमों से एनालिसिस कर अपवंचन का पता लगया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि राजस्व संग्रहण के प्रयासों में केंद्र और राज्य सरकार के संबंधित विभाग समन्वय पूर्वक कार्य करेंगे तो संग्रहण भी बढ़ेगा और लोक कल्याण के कार्यों को भी बेहतर ढंग से अंजाम दिया जा सकेगा। यह राष्ट्रीय कार्य है। इसमें पूरे तालमेल और परिश्रम से अच्छा परिणाम लाने के प्रयास करें। मुख्यमंत्री ने केंद्र और राज्य सरकार के विभागों द्वारा कर संग्रहण के लिए किए गए कार्य की समीक्षा भी की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि इस तरह की बैठक पहली बार आयोजित की गई

है। अब यह बैठक नियमित रूप से हुआ करेगी। श्री चौहान ने कहा कि जीएसटी संग्रहण में राज्य की उपलब्धियों की प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भी प्रशंसा की है। प्रदेश की जीएसटी संग्रहण में अनेक राज्यों से अच्छी स्थिति है। कोरोना संकट के बावजूद राजस्व संग्रहण में 4,000 करोड़ की वृद्धि हुई। विभिन्न विभागों ने इसके लिए काफी प्रयास भी किए। यह उदाहरण है कि आपदा में भी अवसर का उपयोग कर उपलब्धि हासिल की जा सकती है। इस उपलब्धि को कायम रखने के लिए निरंतर प्रयास हों। लोक कल्याण के कार्यों को गति मिलती रहे। उन्होंने कहा कि वाणिज्यिक कर अधिकारी आपसी तालमेल से बेहतर कार्य करें। छोटे करदाता को परेशान न होना पड़े। अन्य राज्यों की बेस्ट प्रेक्टिसेस भी अपनाई जाएं।

पुरस्कृत करने करें करदाताओं का चयन

भामाशाह योजना पुन: प्रारंभ कर नए वित्त वर्ष में ईमानदार करदाताओं को प्रोत्साहित करेंगे यह वित्त वर्ष समाप्त होने के बाद ऐसे करदाताओं का चयन किया जाए ताकि उन्हें पुरस्कृत किया जा सके। राजस्व बढ़ाने के लिए प्रभावी कार्यवाही की जाए, लेकिन यह भी देखा जाए कि इसके लिए करदाताओं को अनावश्यक तकलीफ न हो। कर अपवंचन करने वालों के विरुद्ध प्रचलित प्रवर्तन की कार्रवाई भी जल्दी पूरी की जाए ताकि सरकार को अधिक राजस्व मिल सके और करदाता के प्रकरण का भी शीघ्र निवर्तन हो सके। पंजीकृत व्यवसायियों द्वारा की गई सप्लाई की जानकारी विभिन्न स्रोतों से प्राप्त कर वैधानिक कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि डीम्ड रजिस्ट्रेशन की संख्या न्यूनतम करने के प्रयास हों। ऐसे व्यवसायियों पर विशेष ध्यान दिया जाए। जीएसटी विधान के संशोधनों के विषय में संगोष्ठी व कार्यशाला के माध्यम से जागरूकता बढ़ाई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वाणिज्यिक कर विभाग के डेटाबेस में उपलब्ध विभिन्न आंकड़ों और जानकारियों का अधिक से अधिक प्रयोग कर राजस्व वृद्धि के ठोस प्रयास हों। बैठक में वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा, मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस, प्रमुख सचिव मनोज गोयल प्रमुख सचिव श्रीमती दीपाली रस्तोगी और वाणिज्य कर आयुक्त राघवेंद्र सिंह उपस्थित थे।

अधिकारियों और स्टाफ को दी बधाई

मुख्यमंत्री ने श्रेष्ठ कार्य के लिए दीप खरे के साथ ही इंदौर में पदस्थ वाणिज्य कर अधिकारी धर्मपाल शर्मा, राजेश सोढ़ा और सुश्री रिचा नोगारिया को बधाई दी। इंदौर के वृत्त 8 द्वारा सर्वाधिक 97.73 प्रतिशत रिटर्न फाइलिंग की गई हैं। इंदौर के निकट नए व्यावसायिक क्षेत्रों में कर संग्रहण के प्रयास सराहनीय हैं। श्री चौहान ने कहा कि अन्य जिले भी इंदौर की राह पर चलें और अच्छे परिणाम लाएं। उन्होंने उज्जैन में पदस्थ सुश्री संगीता परिहार को हेल्पडेस्क के निर्माण और जागरूकता शिविर लगाने के लिए बधाई दी। उज्जैन में निर्धारित तिथि के पूर्व फालोअप करने वालों को प्रोत्साहन और डिफाल्टर व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही भी की गई। मुख्यमंत्री ने ग्रामीण क्षेत्र में करदाताओं तक संदेश पहुंचाने के लिए हिन्दी में भी संदेश देने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने जनवरी से मार्च 2021में अधिकतम प्रयास कर संग्रहण वृद्धि के निर्देश दिए ताकि कोरोना काल में अर्थ व्यवस्था को हुई क्षति की पूर्ति की जा सकें।

प्रदेश में चार लाख 35 हजार पंजीयन हुए जीएसटी में

बैठक में बताया गया कि देश में जीएसटी पंजीयन संख्या 1.26 करोड़ है। मध्यप्रदेश में 4 लाख 35 हजार व्यवसायी पंजीकृत हैं। सामान्य कर दाताओं की संख्या 2 लाख 25 हजार हैं। प्रदेश में कम्पोजीशन टैक्स पेयर 39 हजार 926 हैं। मध्यप्रदेश में जीएसटी कलेक्शन गत वर्ष से 4 .09 प्रतिशत अधिक हुआ हैं। जीएसटी 3 बी रिटर्न फाइलिंग में वृत्त कार्यालयों में इन्दौर और उज्जैन वृत्त ने अच्छा कार्य किया हैं। विभाग के 15 संभागों के 82 वृत्त कार्यालयों द्वारा रिटर्न फाइलिंग की हर महीने समीक्षा की जा रही है। बैठक में सीजीएसटी, कस्टम एंड सेंट्रल एक्साइज भोपाल जोन के मुख्य आयुक्त विनोद कुमार सक्सेना ने कर अपवंचन प्रकरणों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत में कुल 21 जोन हैं। भोपाल जोन में मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ शामिल हैं। अप्रैल से दिसम्बर 2020 की अवधि में देश में भोपाल जोन दूसरे नंबर पर है। बैठक में केंद्र सरकार के भोपाल में पदस्थ अन्य वरिष्ठ अधिकारी अभि कुमार श्रीवास्तव, पंकज कुमार सिंह, राजीव कुमार अग्रवाल और कुमार असीम वैभव भी उपस्थित थे। वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा सेंटर और स्टेट जीएसटी के सदस्य भी बैठक में भाग लिया।

एक्सप्रेस न्यूज

प्रोटेम स्पीकर से मिले मंत्री मिश्रा और एनपी प्रजापति

मंगलवार को भोपाल स्थित विधानसभा में सर्वदलीय बैठक में लिये गए निर्णयों के क्रियान्वयन के संबंध में विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर रामेश्वर शर्मा से संसदीय कार्य मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा, कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष नर्मदा प्रसाद प्रजापति ने भेंट की। इस अवसर पर विधानसभा के प्रमुख सचिव एपी सिंह भी उपस्थित थे।

शिवराज ने विवेकानंद को जयंती पर किया नमन

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विवेकानंद जयंती पर मंगलवार को अपने निवास पर उनका स्मरण करते हुए उनके प्रति नमन किया है। श्री चौहान ने ट्वीट में लिखा है, स्वास्थ्य ही सच्चा धन है। प्रतिदिन की भांति आज भी दिन की शुरुआत सूर्य नमस्कार के साथ की। स्वस्थ शरीर से ही लक्ष्यों की प्राप्ति संभव है, स्वामी विवेकानंद जी का यह विचार मुझे सदैव प्रेरित करता है। उनकी जयंती पर उन्हें शत शत नमन। श्री चौहान ने सिलसिलेवार ट्वीट में कहा है, अपने विचारों की अद्वितीय ज्योत प्रज्जवलित कर युवाओं में नई चेतना जागृत करने वाले स्वामी विवेकानंद जयंती पर कोटिशः नमन। आपके तेजस्वी और कल्याणकारी विचार सर्वदा युवाओं को समाज के उत्थान एवं मातृभूमि की सेवा के लिए प्रेरित करते रहेंगे। मुख्यमंत्री ने स्वामी विवेकानंद की जयंती राष्ट्रीय युवा दिवस के मौके पर जारी वीडियो संदेश में कहा कि वे उनके चरणों में बारंबार प्रणाम करते हैं। स्वामी जी युवाओं से कहते थे कि तुम केवल साढ़े तीन हाथ के हाड़ मांस के पुतले नहीं हो, ईश्वर का अंश हो, अनंत शक्तियों के भंडार हो, दुनिया में कोई ऐसा काम नहीं है, जो तुम न कर सको। श्री चौहान ने युवाओं से स्वस्थ रहने और इसके लिए प्रतिदिन योग करने की अपील करते हुए कहा कि सूर्य नमस्कार और प्राणायाम प्रतिदिन करिए। स्वस्थ शरीर के बल पर युवा बड़े से बड़ा लक्ष्य हासिल कर सकता है। राज्य मंत्रिमंडल के सदस्यों और भाजपा के नेताओं ने भी राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर सभी को शुभकामनाएं दी हैं।

सबनानी का ग्वालियर में जोरदार स्वागत

मंगलवार को सचखंड एक्सप्रेस से ग्वालियर प्रवास पर पहुंचे भाजपा के प्रदेश महामंत्री भगवानदास शबनानी का ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर पार्टी के जिला अध्यक्ष कमल माखीजानी समेत अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया।

मुरैना में जहरीली शराब पीने से हुई मौतों की जांच के लिए कांग्रेस ने बनाई समिति

भोपाल । मुरैना जिले में जहरीली शराब पीने से हुई 11 लोगों की मौत की दर्दनाक घटना को देखते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने एक छह सदस्यीय जांच समिति का गठन किया है, यह समिति मौके पर जाकर पीड़ित परिवारों से मिलकर पूरे मामले की जानकारी एकत्र करेगी तथा विस्तृत रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस कमेटी को सौंपेगी। प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष संगठन प्रभारी चंद्रप्रभाष शेखर ने समिति के सभी सदस्यों से घटना स्थल पर पहुंचने के आदेश जारी किए हैं। समिति में बैजनाथ कुशवाह (विधायक), अजब सिंह कुशवाह (विधायक), राकेश मावई (विधायक), रविंद्र सिंह तोमर (विधायक), दिनेश गुर्जर (अध्यक्ष-मप्र किसान कांग्रेस) एवं दीपक शर्मा (अध्यक्ष-शहर कांग्रेस कमेटी मुरैना) को शामिल किया गया है।

राज्य निर्वाचन आयुक्त बीपी सिंह चुनाव तैयारियों के संबंध में आज कलेक्टरों से करेंगे चर्चा

भोपाल । राज्य निर्वाचन आयुक्त बीपी सिंह बुधवार को वीसी के माध्यम से नगरीय निकायों एवं त्रि-स्तरीय पंचायतों के आम निर्वाचन की तैयारियों के संबंध में चर्चा करेंगे। श्री सिंह फोटोयुक्त मतदाता-सूची, ईवीएम एवं सामग्री प्रबंधन, निर्वाचन में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग और प्रशिक्षण सहित अन्य विषयों पर चर्चा करेंगे।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक लिये गए कई अहम फैसले

मप्र ग्रामीण ऋण मुक्ति बिल मंजूर

छोटे किसानों का गैर लाइसेंसी साहूकार से लिया कर्ज होगा माफ

भोपाल (एजेंसी)। मप्र के भूमिहीन, सीमांत और छोटे किसानों को गैर लाइसेंसी साहूकारों से लिया कर्ज और ब्याज माफ करने मंगलवार को हुई शिवराज कैबिनेट की बैठक में बड़ा फैसला लिया गया। कैबिनेट ने ग्रामीण ऋण विमुक्ति विधेयक 2020 को मंजूरी दे दी है। इसके तहत 15 अगस्त 2020 तक भूमिहीन कृषि श्रमिक, सीमांत और छोटे किसानों को गैर लाइसेंसी साहूकारों से लिया गया कर्ज और ब्याज की रकम ना तो चुकानी होगी और ना ही उनसे वसूली की जा सकेगी।

यदि कोई गैस लाइसेंसी साहूकार इस विधेयक का उल्लंघन करता है, तो उसके लिए तीन साल की सजा और एक लाख रुपए जुर्माने का प्रावधान किया गया है। इतना ही नहीं, सिविल न्यायालय में गैर अधिनियम के दायरे में आने वाले प्रकरण की सुनवाई नहीं होगी। ऋण वसूली के लिए राजस्व प्रक्रिया के तहत चल रही कार्रवाई भी समाप्त हो जाएगी। विधेयक को राज्यपाल की मंजूरी के बाद सरकार इसे विधान सभा में पारित कराकर लागू करेगी। शिवराज कैबिनेट की छह महीने 10 दिन बाद मंत्रालय में एक्चुअल बैठक हुई यानी सभी मंत्री बैठक में शामिल होने मंत्रालय पहुंचे। पहले मंत्रिमंडल विस्तार के बाद दो जुलाई 2020 को एक्चुअल बैठक हुई थी, लेकिन संक्रमण के कारण इस

राजस्व मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कैबिनेट फैसले की जानकारी मीडिया को दी। इस दौरान गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा भी मौजूद रहे।

अवधि में वर्चुअल बैठक हो रही थी। इन किसानों को मिलेगा लाभ राजस्व मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया, विधेयक लागू होने से तीन श्रेणी के किसानों को इसका लाभ मिलेगा। पहला- भूमिहीन कृषि श्रमिक, जिनके पास जमीन नहीं है और वे अन्य किसी के खेत में मजदूरी करते हैं या बटाई पर खेती करते हैं। दूसरा - सीमांत किसान, जिनके पास आधा हेक्टेयर सिंचित या 1 हेक्टेयर तक सिंचित जमीन है। तीसरा- छोटे किसान, जिनके पास 1 हेक्टेयर तक सिंचित या 2 हेक्टेयर तक असिंचित जमीन है। उन्होंने बताया कि इससे पहले अनुसूचित क्षेत्रों के अनुसूचित-जनजाति वर्ग के व्यक्तियों को गैस लाइसेंसी साहूकारों से मुक्ति दिलाने का कानून लागू किया जा चुका है।

खाद्य उन्नयन योजना के क्रियान्वयन को मंजूरी

बैठक में खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री सूक्ष्म, खाद्य उद्यम उन्नयन योजना को लागू करने की मंजूरी दी गई। इस योजना के तहत राज्य सरकार को 500 करोड़ रुपए स्वीकृत किए हैं। इसमें सहकारी समितियों के माध्यम से वेयर हाउस और कोल्ड स्टोरेज का निर्माण किया जाएगा। इस योजना के तहत राज्य सरकार 40 प्रतिशत राशि खर्च करेगी।

उद्योगों से जो कमिटमेंट किए हैं उन्हें पूरा किया जाएगा

मुख्यमंत्री ने ली उद्योग प्रोत्साहन समिति की बैठक

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह कहा है कि प्रदेश में उद्योगों का संवर्धन तथा उनके माध्यम से अधिक से अधिक रोजगार सृजन हमारी नीति है। प्रदेश में उद्योगों को सभी आवश्यक सुविधाएं एवं रियायतें दी जा रही हैं। प्रदेश में उद्योग स्थापना के समय उद्योगों से जो 'कमिटमेंट' किए गए थे उन्हें पूरा किया जाएगा।

श्री चौहान मंगलवार को यहां मंत्रालय में उद्योग प्रोत्साहन समिति की बैठक ले रहे थे। बैठक में औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव, सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम मंत्री ओमप्रकाश सकलेचा, वाणिज्यकर मंत्री जगदीश देवड़ा, चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री प्रभुराम चौधरी, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में उद्योगों को सरकार द्वारा निवेश प्रोत्साहन सहायता, रियायती दर पर भूमि, विद्युत दर में छूट, अधोसंरचना सुविधा आदि उपलब्ध कराये जाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण तथा प्रदेश में मिलने वाले कच्चे माल की प्रोसेसिंग करने वाले उद्योगों को प्राथमिकता दी जा रही है। श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में रेडीमेड गारमेंट उद्योग से अधिक रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है। अतः इन उद्योगों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

वैक्सीन को लेकर लोग किसी बहकावे में न आएं

भोपाल । प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कोरोना वैक्सीन को लेकर प्रदेश के नागरिकों से आग्रह करते हुए कहा कि वे वैक्सीन को लेकर किसी प्रकार के भ्रम एवं बहकावे में नहीं आएं। श्री मिश्रा ने मंगलवार को ट्वीट कर कहा कि सरकार के सभी मंत्री और मुख्यमंत्री टीकाकरण के तीसरे चरण में आम जनता के साथ वैक्सीन लगवाएंगे। प्रदेश के सभी नागरिकों से विशेष आग्रह है कि वे वैक्सीन को लेकर किसी भी प्रकार के भ्रम या बहकावे में नहीं आएं।

अनुशासनहीनता करने वालों पर कार्रवाई हो

भोपाल । मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी अनुशासन समिति की प्रथम बैठक मंगलवार को समिति के अध्यक्ष पूर्व मंत्री भारत सिंह की अध्यक्षता में हुई। नवगठित अनुशासन समिति की प्रथम बैठक में विभिन्न 14 प्रकरणों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि सभी प्रकरणों पर तथ्यात्मक जानकारी प्राप्त की जाए तथा जानकारी प्राप्त होने के बाद फरवरी के प्रथम सप्ताह में कांग्रेस अनुशासन समिति की पुनः बैठक होगी। समिति के सदस्य नन्हेसिंह धुर्वे, डॉ. अजिता बाजपेयी पांडेय, एडवोकेट सैयद साजिद अली ने कहा कि पार्टी में अनुशासन बनाए रखना बहुत जरूरी है और जो लोग अनुशासनहीनता करते हैं, उन पर कठोर कार्रवाई की जाना चाहिए। बैठक में कांग्रेस अनुशासन समिति के उपाध्यक्ष चंद्रप्रभाष शेखर, समिति के सदस्यगणों के अलावा प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री राजीव सिंह एवं डॉ. महेंद्रसिंह चौहान उपस्थित थे।

हादसे रोकने विजन जीरो पर करना होगा काम

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए विजन जीरो पर काम करने की आवश्यकता है। इसे अमलीजामा पहनाने के लिए सभी की सहभागिता जरूरी है।

परिवहन आयुक्त जैन ने वर्कशाप को किया संबोधित

परिवहन आयुक्त मुकेश जैन ने यह बात ए रोडमेप टू रोड सेफ्टी-राइट्स एंड ड्यूटीज विषय पर आयोजित ऑनलाइन वर्कशॉप के दूसरे दिन कही। आईआईटी, दिल्ली के प्रो. गीतम तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि दुर्घटना-रहित सड़क यातायात के लिए राजमार्गों की प्रॉपर डिजाइनिंग की जाना आवश्यक है। पुलिस प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक डीसी सागर ने बताया कि वर्कशॉप में सभी नोडल एजेंसियों के अधिकारियों द्वारा सहभागिता की जा रही है। निश्चित ही इससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने में मदद मिलेगी। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए आयोजित छह दिवसीय वर्कशॉप के दूसरे दिन परिवहन आयुक्त मुकेश जैन ने इम्पलीमेंटिंग विजन जीरो इन मध्यप्रदेश विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। सड़क का उपयोग करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को नियम का पालन करना होगा। रूल्स ऑफ रोड सेफ्टी के नियमों का बेहिचक सख्ती से पालन कराना होगा। नियमों के उल्लंघन पर नियमानुसार दंडित भी करना होगा। सभी एजेंसियों को अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन भली-भाँति करना होगा।

दुर्घटना-रहित यातायात के लिए प्रॉपर डिजाइनिंग जरूरी : प्रो. तिवारी

वर्कशॉप के द्वितीय सत्र में प्रो. तिवारी ने राजमार्गों को यातायात के लिए सुगम और सुरक्षित बनाने की दृष्टि से उनकी डिजाइनिंग पर समुचित ध्यान दिए जाने की आवश्यकता बताई। उन्होंने अपने संबोधन में राज्य सड़क सुरक्षा नीति के 4-ई की परिकल्पना को सक्रियतापूर्वक साकार करने पर जोर दिया। प्रो. तिवारी ने कहा कि सुरक्षित सड़क के लिए एजुकेशन, एनफोर्समेंट, इंजीनियरिंग और इमरजेंसी अंतर्गत सभी कार्य सुचारू रूप से समयबद्ध तरीके से करने को कहा। उन्होंने राजमार्गों पर दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए स्पीड हम्प्स, राउण्ड अबाउट्स, बार मार्कर्स, डिस्टेंस मेकर्स, ओडेबल मेकर्स और सड़क सुरक्षा से संबंधित संकेतक सही स्थान पर लगाने को कहा। वर्कशॉप में प्रदेश के पुलिस अधिकारी और अन्य नोडल एजेंसियों के अधिकारीगण ऑनलाइन सम्मिलित हुए।

त्रिपाठी बीयू और पटेल हिन्दी विवि के कुलसचिव पदस्थ

उच्च शिक्षा विभाग में तबादले

भोपाल (एजेंसी)। उच्च शिक्षा विभाग ने मंगलवार को विश्वविद्यालयों में प्रशासनिक स्तर पर तबदले किए हैं। जिसमें भोज मुक्त विश्वविद्यालय में पदस्थ कुलसचिव डॉ. एचएस त्रिपाठी को बरकतउल्ला विश्वविद्यालय और पं. एसएन शुक्ला विश्वविद्यालय शहडोल में प्रभारी कुलसचिव यशवंत पटेल को अटल बिहारी हिन्दी विश्वविद्यालय भोपाल में प्रभारी कुलसचिव केरूप में पदस्थ किया गया है।

इसी तरह डॉ. एलएस सोलंकी को महर्षि पाणिनी संस्कृत एंव वैदिक विश्वविद्यालय उज्जेन से कुलसचिव भोज मुक्त विश्वविद्यालय भोपाल, अजय वर्मा उपकुलसचिव विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन को प्रभारी कुलसचिव डॉ.बीआर अंबेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय महू पदस्थ किया है। जबकि डॉ. प्रशांत पुराणिक सह प्राध्यापक को राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम समन्यवक विक्रम विवि उज्जैन को कार्यक्रम समन्यवक का पद यथावत रखते हुए महर्षि पाणिनी संस्कृत एंव वैदिक विवि उज्जैन का प्रभारी कुलसचिव नियुक्त किया है।

युवा सम्मेलन में प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा- एक नरेंद्र के सपनों को पूरा कर रहे प्रधानमंत्री

राजनीतिक वंशवाद को उखाड़ फेंकने के प्रधानमंत्री के आह्वान पर आगे आएं युवा

भोपाल (एजेंसी)। प्रधानमंत्री ने आज युवा संसद में राजनीतिक वंशवाद को कठिन चुनौती बताया है। कुछ परिवार ऐसे हैं, जो राजनीति को उनके परिवार के सदस्यों तक ही सीमित रखना चाहते हैं। वे चाहते हैं कि हर एक लाभ, हर फायदा उनके ही परिवार को मिले। हमारे प्रधानमंत्री ने युवाओं पर भरोसा जताते हुए राजनीतिक वंशवाद को उखाड़ फेंकने का आह्वान किया है।

यह बात भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में युवा सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। एक नरेंद्र के सपनों को पूरा कर रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। इस अवसर पर श्री शर्मा ने कहा कि स्वामी विवेकानंद कहते थे कि मुझे 100 क्षमतावान नौजवान मिल जाएं, तो मैं उनकी मदद से दुनिया के दृश्य बदल सकता हूं। स्वामी विवेकानंद की कल्पना को हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साकार कर रहे हैं और उन्होंने अकेले ही पूरी दुनिया में भारत की छवि को बदल दिया है। जो स्वप्न उस समय के नरेंद्र यानी स्वामी विवेकानंद ने देखा था, हमें गर्व होता है कि हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज उस स्वप्न को पूरा कर रहे हैं। आत्मनिर्भर भारत शब्द का उपयोग स्वामी विवेकानंद ने भी किया था। उन्होंने एक भारत, श्रेष्ठ भारत की कल्पना की थी। उनके सपनों को प्रधानमंत्री पूरी दृढ़ता से साकार करने का काम कर रहे हैं। श्री शर्मा ने कहा कि आज युवा दिवस के अवसर पर आप सभी हार्दिक अभिनंदन करता हूं। आज का दिन हमारे लिए बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है। 128 साल बाद हम एक ऐसे युवा आदर्श को याद कर रहे हैं, जिन्होंने भारत को दुनिया में पहचान दिलाने का काम किया था, जिन्हें भारत के साथ-साथ पूरी दुनिया में युवाओं के आदर्श के रूप में देखा जाता है।

प्रदेश अध्यक्ष ने किया चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अभिलाष पांडे और पूर्व मंत्री इमरती देवी ने पार्टी नेताओं के साथ प्रदेश कार्यालय में मोर्चा की जिला इकाई द्वारा स्वामी विवेकानंद जी के व्यक्तित्व पर केंद्रित लगाई गई चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

स्वामी विवेकानंद के विचार हमेशा प्रासंगिक : पांडे

युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अभिलाष पांडे ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने पूरे विश्व में एक यायावर ऋषि की तरह घूमकर भारत का नाम रोशन किया। विश्व को भारत की पुरातन संस्कृति से परिचय कराने का काम स्वामी जी ने किया था। उनके विचार हमेशा प्रासंगिक हैं। देश ही नहीं विश्व के युवा स्वामी जी के विचारों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़े हैं।पार्टी के जिलाध्यक्ष सुमित पचौरी ने कहा कि स्वामी जी एक व्यक्ति नहीं विचार है। उनके विचारों को आगे बढाने का काम हर युवा को करना है। स्वागत भाषण मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रमोद शर्मा ने दिया। संचालन जिला महामंत्री गोपाल तोमर एवं आभार मंडल अध्यक्ष राहुल पचौरी ने माना। इस अवसर पर पार्टी जिलाध्यक्ष सुमित पचौरी, मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष वैभव पंवार, प्रदेश प्रवक्ता राजो मालवीय, राहुल कोठारी, मोर्चा प्रदेश मंत्री अश्विनी राय, प्रदेश कोषाध्यक्ष चंद्र प्रकाश मिश्रा सहित कार्यकर्ता मौजूद थे।

यश की 'केजीएफ चैप्टर 2' के टीजर ने बनाया रिकॉर्ड, मिले इतने करोड़ व्यूज

साउथ सुपरस्टार यश की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'केजीएफ चैप्टर 2' का टीजर हाल ही में रिलीज हुआ है। फिल्म के टीजर को मेकर्स ने यश के बर्थडे यानी 8 जनवरी के मौके पर रिलीज किया था। फिल्म का टीजर दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है।

फिल्म के रिलीज होने का ही दर्शकों को इंतजार नहीं है बल्कि इसके टीजर के लिए भी लोग काफी एक्साइटेड थे। उसी का नतीजा है कि केजीएफ चैप्टर 2 का टीजर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। केजीएफ चैप्टर 2 के टीजर ने नया रिकॉर्ड भी बना लिया है।

टीजर के रिलीज होने के दो दिन के भीतर इसे 100 मिलियन से ज्यादा लोग देख चुके हैं। इस बात की जानकारी खुद फिल्म के निर्देशक प्रशांत नील ने ट्विटर पर दी। उन्होंने टीजर का क्लिप शेयर कर इसे 100 मिलियन व्यूज मिलने पर खुशी जाहिर की है। प्रशांत नील ने अपने ट्वीट में लिखा, केजीएफ चैप्टर 2 के टीजर ने एक अनूठी उपलब्धि हासिल कर ली है, केजीएफ चैप्टर 2 100 मिलियन व्यूज।

फिल्म के टीजर के बारे में निर्माताओं ने एक ट्वीट कर जानकारी दी है कि यू-यूटब पर केजीएफ 2 के टीजर ने 125 मिलियन व्यूज का रिकॉर्ड बना लिया है। ये एक बड़ा आंकड़ा हैं। इतना ही नहीं, इस टीजर को अब तक 6 मिलियन लोगों ने लाइक भी किया है। फिल्म की निर्माता कंपनी होमेबल फिल्मस ने ट्वीट कर 'लिखा, ये तूफान लेकर आया।' बता दें कि इस फिल्म में साउथ के स्टार यश के अलावा बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त और एक्ट्रेस रविना टंडन भी अहम रोल में नजर आएंगे। फिल्म में संजय दत्त अधीरा का रोल निभाने वाले हैं। फिल्म का पहला पार्ट 2018 में रिलीज हुआ था। जिसे कई भाषाओं में रिलीज किया गया था।

मेरा वैकल्पिक व्यतित्व एक पुलिस का ही ह

अभिनेत्री मानिनी दे जल्द ही 'सावधान इंडिया एफआईआर सीरीज' में एक पुलिस अधिकारी के किरदार में नजर आएंगी। अभिनेत्री का मानना है कि उनका वैकल्पिक व्यतित्व एक पुलिस का है। 'जस्सी जैसी कोई नहीं' और 'लाडो 2' जैसे धारावाहिकों में नजर आ चुकीं अभिनेत्री मानिनी का कहना है, 'मैं 'सावधान इंडिया एफआईआर सीरीज' का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं। मुझे लगता है कि मेरा वैकल्पिक व्यतित्व एक पुलिस के जैसा ही है। मुझे पुलिस का किरदार निभाने में बहुत अच्छा लगता है।' उन्होंने आगे कहा, 'यह मेरे लिए समाज में बदलाव लाने और न्याय दिलाने का एक जरिया है। मैं वास्तव में पुलिस बल और सशस्त्र बलों का समान करती हूं। इस शो में भी काम करने में मुझे मजा आ रहा है।' इस क्राइम शो में वह अभिनेता अंकुर नय्यर के विपरीत नजर आएंगी। इसे स्टार भारत पर प्रसारित किया जाएगा।

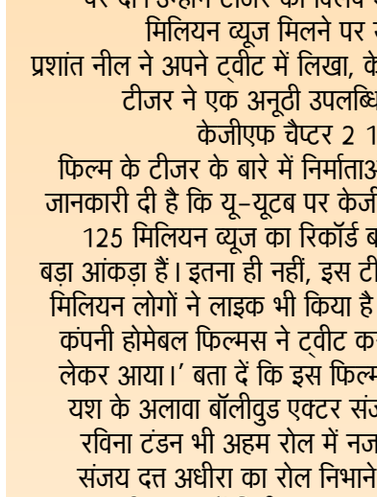

वेंटीलेटर, आईसीयू और ऑक्सीजन मशीन, बहुत डराया था इन शब्दों ने

अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने सोमवार को कहा कि अमेरिका में 3 सप्ताह पहले उनकी मां, भाई और भाभी, बच्चे और परिवार के कई सदस्य कोरोनावायरस से संक्रमित पाए गए थे और वह वक्त उनके लिए काफी मुश्किल भरा था। जिंटा फिलहाल अमेरिका में हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर इसकी सूचना दी। उन्होंने बताया कि उनके परिवार के लोग अब स्वस्थ हैं और अब वे चैन की नींद सो सकती हैं।

उन्होंने लिखा कि 3 सप्ताह पहले मेरी मां, भाई और भाभी, बच्चे और चाचा कोरोनावायरस से संक्रमित पाए गए थे। अचानक से वेंटीलेटर, आईसीयू और ऑक्सीजन मशीन जैसे शब्दों का नया अर्थ पता चला। उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिलने तक अमेरिका में मैं बहुत असहाय और अकेली महसूस कर रही थी। 'कल हो न हो' की अभिनेत्री (45) ने कहा कि वे सभी डॉक्टरों और नर्सों की शुक्रगुजार हैं जिन्होंने दिन-रात बिना थके उनकी देखभाल की।

जिंटा ने अपने प्रशंसकों से कोविड-19 को हल्के में नहीं लेने की अपील की और सचेत किया कि वायरस रातभर में ही 'खतरनाक' रूप ले सकता है। उन्होंने लिखा कि कृपया अपना ख्याल रखें। मास्क पहनें और सामाजिक दूरी का पालन करें। आज जब परिवार के सभी लोगों में संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई तब मैं चैन से सो पाई। अब जाकर नया साल 'हैप्पी न्यू ईयर' जैसा लग रहा है। जिंटा आखिरी बार 2018 की एक्शन-कॉमेडी फिल्म 'भैयाजी सुपरहिट' में दिखी थीं।

अक्षय कुमार लाए 25 दिन में पैसा डबल करने की स्कीम

अक्षय कुमार फिल्म इंडस्ट्री के बिजी एक्टर्स में से एक है। वे इन दिनों अपनी फिल्म 'बच्चन पांडे' की शूटिंग करने जैसलमेर पहुंचे हैं। हाल ही में अक्षय कुमार ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर एक पोस्ट किया है। जिसे देखने के बाद आप हंसी को रोक नहीं पाएंगे।

अक्षय कुमार ने अपनी एक तस्वीर को शेयर किया है। जिसमें उन्होंने टी-शर्ट पहनी हुई है और कानों में उन्होंने पीले रंग का हेडफोन पहना हुआ है। इसके साथ ही एक्टर ने अपने हाथों में एक पीले रंग की अटैची पकड़ी हुई है। इस तस्वीर को शेयर करते हुए एक्टर ने लिखा, 'जब आप 25 दिन मैं पैसा डबल करने वाली स्कीम जानते हों।'

एक्टर की ये तस्वीर तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। जिसे उनके फैंस बहुत पसंद कर रहे हैं। एक्टर का कैप्शन उनकी फिल्म 'फिर हेरा फेरी' से जुड़ा हुआ है। उस फिल्म में अक्षय कुमार राजू का किरदार निभाते हुए नजर आए थे जो लोगों के पैसों को 25 दिन में डबल किया करता था।

जहां एक तरफ अक्षय के फैंस इस पोस्ट को एक मजाक के तौर पर ले रहे हैं। वहीं कुछ फैंस ऐसे भी हैं जो एक्टर के इस पोस्ट को उनकी अगली फिल्म की घोषणा की तरह देख रहे हैं। फैंस का कहना है कि अक्षय कुमार को 'हेरा फेरी 3' भी बनानी चाहिए।

किम शर्मा ने ढाया ब्लैक बिकिनी में कहर

बॉलीवुड एक्ट्रेस किम शर्मा भले ही फिल्मी पर्दे से दूर हों, लेकिन वह सोाल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। किम अक्सर अपनी हॉट तस्वीरों से इंटरनेट पर कहर तहलका मचाती रहती हैं। किम शर्मा ने एक बार फिर से फैंस के साथ अपनी हॉट तस्वीर शेयर की है।

किम शर्मा ने ब्लैक बिकिनी में अपनी बोल्ड तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में किम बिकिनी में अपना स्वैग दिखाती नजर आ रही हैं। किम शर्मा की ये तस्वीर फैंस को काफी पसंद आ रही है और वो लगातार कमेंट करके अदाकारा की तारीफ कर रहे हैं।

एक फैन ने कमेंट में लिखा है, ये तस्वीर देखकर मेरा तो मुंह ही खुला रह गया। तो वहीं दूसरे फैन ने लिखा है, तुम्हें देखकर मेरा दिल उछलने लगता है और मेरे चेहरे पर ग्लो आ जाता है।

गौरतलब है कि किम शर्मा की सोशल मीडिया पर तगड़ी फैन फॉलोइंग है। वह पोस्ट के जरिए फैंस को एंटरटेन रखती हैं। पर्सनल लाइफ के अलावा किम शर्मा वर्कआउट पोस्ट भी शेयर करती रहती हैं।

किम शर्मा ने बॉलीवुड में फिल्म 'मोहब्बतें' से डेब्यू किया था। फैन्स को किम का ग्लैमरस अंदाज काफी पसंद आया था। कई लोग उन्हें बॉलीवुड की 'मोहब्बतें गर्ल' भी कहते हैं।

क्या जिंदा हैं खतरनाक आतंकवादी मूसा? वेब सीरीज द फैमिली मैन के सेट से बीटीएस वीडियो आया सामने

मनोज बाजपेयी की वेब सीरीज %द फैमिली मैन% के पहले भाग के बाद फैंस इसके दूसरे भाग का इंतजार कर रहे हैं। द फैमिली मैन के नए सीजन को लेकर चर्चा गरम रखते हुए अमेजन प्राइम वीडियो ने शो के सेट से एक बीटीएस वीडियो जारी किया है। इस वीडियो को देख कर फैंस कयास लगाने में जुट गए हैं कि क्या खतरनाक आतंकवादी मूसा अभी तक जिंदा है।

बता दें कि मूसा का किरदार नीरज माधव ने निभाया है। इस वीडियो में यह घातक विलेन सेट पर वापसी करता नजर आ रहा है और जेके तलपदे यानी शारिब हाशमी को रिवाल्वर दे रहा है। शो की डायरेक्टर जोड़ी राज और डीके भी नए सीजन में मूसा की वापसी को लेकर खामोशी साधे हुए है। ऐसे में मूसा को दिखाने वाला यह वीडियो प्रशंसकों के बीच यकीनन गहरी जिज्ञासा पैदा करेगा। प्रशंसक इस बात को लेकर चकित और हैरान हैं कि क्या यह वांटेट आतंकवादी एक बार फिर से अपने दुश्मनों पर कहर बरपाने जा रहा है!

द फैमिली मैन के नए सीजन में मनोज बाजपेयी, शारिब हाशमी, प्रियामणि और शरद केलकर अपने-अपने किरदार दोबारा निभाएंगे, जबकि इस शो के साथ सामंथा अक्किनेनी अपना डिजिटल डेब्यू करेंगी। द फैमिली मैन का प्रीमियर 12 फरवरी, 2021 को दुनिया के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में अमेजन प्राइम वीडियो पर होगा।

ब्रिस्बेन होटल में पहुंचते ही टीम इंडिया परेशानी में

ब्रिस्बेन, एजेंसी। टीम इंडिया ब्रिस्बेन तो पहुंच गयी है लेकिन अपने होटल में परेशानी में फंस गयी है। होटल में कोई रूम सर्विस नहीं है , हाउसकीपिंग नहीं है, खिलाड़ियों को पूल का इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं है और वे अपने कमरों में कैद होकर रह गए हैं। भारतीय खिलाड़ियों का मूवमेंट होटल और गाबा मैदान के बीच तक सीमित रहेगा। हालांकि वे टीम रूम में मिल सकते हैं। खिलाड़ियों को अपने बेड खुद तैयार करने होंगे, अपने टॉयलेट खुद साफ करने होंगे, रूम सर्विस नहीं होगी, केवल एप्स पर खाना आर्डर किया जा सकता है , खिलाड़ी स्विमिंग पूल का इस्तेमाल नहीं कर सकते हैं।

भारतीय टीम को न केवल 15 जनवरी से शुरू होने वाले चौथे और आखिरी टेस्ट के लिए अपने चोटिल खिलाड़ियों की समस्या से जूझना पड़ेगा बल्कि होटल की हाउसकीपिंग की समस्या से भी जूझना होगा। दोनों टीमें मंगलवार दोपहर ब्रिस्बेन पहुंचीं। भारत कई कारणों से ब्रिस्बेन का दौरा करने के लिए तैयार नहीं था और सबसे बड़ा कारण यह था कि मैदान के बाहर उन्हें अपने होटल के कमरों तक सीमित रहना होगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बीसीसीआई को लम्बी बातचीत के बाद आश्वासन दिया था कि भारतीय टीम को सख्त क्वारंटीन का सामना नहीं करना पड़ेगा लेकिन अब स्थिति कुछ बदली दिखाई दे रही है।

ब्रिस्बेन आने के बाद भारतीय टीम को पता चला कि होटल में हाउसकीपिंग नहीं है। टीम सदस्यों का कहना है कि उन्हें पहले ऐसा नहीं बताया गया था। सिडनी में टीम को घूमने की आजादी नहीं थी लेकिन होटल में रूम सर्विस और हाउसकीपिंग की सुविधाएं थीं।

कुछ खिलाड़ी अपने परिवार के साथ यात्रा कर रहे हैं और उनके लिए परेशानी ज्यादा है। खिलाड़ियों को अपनी रिकवरी के लिए पूल की जरूरत होती है लेकिन ब्रिस्बेन में टीम को यह सुविधा नहीं दी गयी है।

बुमराह ब्रिसबेन टेस्ट से बाहर हुए, अग्रवाल को नेट पर चोट लगी, अश्विन की पीठ में जकड़न

सिडनी,एजेंसी। चोटों से जूझ रही भारतीय क्रिकेट टीम को मंगलवार को एक और झटका लगा जब तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ जसप्रीत बुमराह पेट में खिंचाव के कारण आस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट से बाहर हो गए। इतना ही नहीं, ब्रिसबेन में अंतिम एकादश में हनुमा विहारी के विकल्प माने जा रहे मयंक अग्रवाल को भी नेट पर बल्लेबाजी करते हुए हाथ में चोट लगी और उन्हें हेयरलाइन फ्रेक्चर हो सकता है। स्थिति और बदतर हो गई जब सिडनी टेस्ट के अंतिम दिन साढ़े तीन घंटे बल्लेबाजी के बाद रविचंद्रन अश्विन की पीठ की जकड़न की समस्या बढ़ गई जिससे भारत के पास अधिक विकल्प नहीं बचे हैं। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के अहम सदस्य बुमराह को यह खिंचाव सिडनी में ड्रॉ हुए तीसरे टेस्ट के दौरान आया। जानकारी के मुताबिक बुमराह के स्कैन की रिपोर्ट में खिंचाव का पता चला है और

भारतीय टीम प्रबंधन इंग्लैंड के खिलाफ चार टेस्ट की आगामी श्रृंखला को देखते हुए उनकी चोट के बढ़ने का जोखिम नहीं लेना चाहता। बीसीसीआई सूत्र ने पीटीआई को बताया, सिडनी में क्षेत्ररक्षण करते हुए जसप्रीत बुमराह के पेट में खिंचाव आ गया था। वह ब्रिसबेन टेस्ट से बाहर रहेगा लेकिन उसके इंग्लैंड के खिलाफ उपलब्ध रहने की उम्मीद है। भारत टीम ने राहत की सांस ली है कि बुमराह की चोट गंभीर नहीं है लेकिन वे ब्रिसबेन में सतर्कता बरतना चाहते हैं क्योंकि टेस्ट मैच के बीच में चोटिल होने पर अधिक प्रतिकूल असर पड़ेगा। सूत्र ने कहा, अगर हम 50 प्रतिशत फिटनेस के साथ उसे खिलाने का जोखिम उठाते हैं, ऐसे में अगर उसकी चोट बढ़ जाए और वह मैच के बीच से बाहर हो जाए और इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला के अधिकतर हिस्से से भी बाहर हो जाए तो। उन्होंने कहा, इंग्लैंड आखिरी श्रृंखला है जिससे विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल का क्वालीफिकेशन तय होगा और हम इसके दावेदार हैं और हमें फिट बुमराह की जरूरत है।

संक्षिप्त खबरें

आस्ट्रेलियाई ओपन क्वालीफाइंग में दो खिलाड़ी कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए

मेलबर्न,एजेंसी। कतर के दोहा में आस्ट्रेलियाई ओपन के क्वालीफाइंग में हिस्सा ले रहे दो खिलाड़ियों को कोविड-19 पॉजिटिव पाए जाने के बाद इस टेनिस टूनार्मेंट से हटा दिया गया है और होटल में पृथकवास में रखा गया है। क्वालीफायर में चौथे वरीय अमेरिका के डेनिस कुडला को सोमवार को मोरक्को के इलियट बेनकेट्रिट के खिलाफ पहले दौर में 6-4, 6-3 की जीत के बाद टूनार्मेंट से हटा दिया गया। अर्जेन्टीना के फ्रेंसिस्को केरुनडोलो को भी स्पेन के गुइलेर्मो गार्सिया लोपेज के खिलाफ 6-2, 6-4 की जीत के बाद टूनार्मेंट से हटा दिया गया। क्वालीफायर टूनार्मेंट का आयोजन पहली बार आस्ट्रेलिया के बाहर हो रहा है। टेनिस आस्ट्रेलिया ने बयान में पुष्टि की है कि टूनार्मेंट के दौरान दो पॉजिटिव नतीजे पाए गए और दोनों खिलाड़ियों को सरकार द्वारा संचालित मेडिकल होटल में स्थनांतरित किया गया है जहां पृथकवास के कड़े नियमों का पालन किया जा रहा है। इन दोनों के हटने से आस्ट्रेलिया के वाइल्ड कार्ड धारक डेन स्वीनी और स्पेन के मारियो विलेला मार्टिनेज को वाकओवर मिला और वे क्वालीफाइंग के तीसरे दौर में पहुंच गए।

इसनर ने कहा, कोविड-19 के कारण आस्ट्रेलिया ओपन में हिस्सा नहीं लूंगा

डेलरे बीच,एजेंसी। अमेरिका के टेनिस खिलाड़ी जॉन इसनर ने कहा है कि वह कोविड-19 महामारी के कारण आस्ट्रेलिया ओपन में हिस्सा नहीं लेंगे। इसनर ने डेलरे बीच ओपन में साथी अमेरिकी खिलाड़ी सबेस्टियन कोर्डा के खिलाफ हार के बाद सोमवार रात अपने फैसले के बारे में बताया। पैंतीस साल के इसनर के दो छोटे बच्चे हैं और उन्होंने कहा कि वह चाहते हैं कि वे साथ यात्रा करें लेकिन वायरस के कारण यह संभव नहीं है और इस साल आस्ट्रेलिया जाने का मतलब है कि उन्हें काफी समय अपने परिवार से दूर रहकर बिताना होगा। शीर्ष 10 में शामिल रह चुके और अब दुनिया के 25वें नंबर के खिलाड़ी इसनर को कोर्डा ने 6-4, 4-6, 6-3 से हराया।

ब्रिसबेन टेस्ट के लिये पुकोवस्की की फिटनेस पर फैसला अभी टला

सिडनी,एजेंसी। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने मंगलवार को कहा कि भारत के खिलाफ चौथे और आखिरी टेस्ट में विल पुकोवस्की की उपलब्धता को लेकर फैसला लेने में विलंब होगा ताकि इस सलामी बल्लेबाज को अपनी फिटनेस साबित करने का पूरा मौका मिल सके। पुकोवस्की के कंधे की हड्डी आंशिक रूप से खिसक गई है। सीए ने कहा कि पुकोवस्की के कंधे में चोट है और उनके कंधे का जोड़ आंशिक रूप से खिसक गया है। सीए के प्रवक्ता ने क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू से कहा ,ह्यह्यवह अगले दो दिन आराम और रिहैबिलिटेशन में रहेगा। उसके बाद ही चौथे टेस्ट में उसने खेलने को लेकर फैसला लिया जायेगा।ह्ल पुकोवस्की को भारत के खिलाफ सिडनी टेस्ट के पांचवें दिन दाहिने कंधे में चोट लगी जब भारतीय पारी के 86वें ओवर में उन्होंने गेंद को डाइव लगाकर रोका। इसके बाद वह कुछ देर कंधा पकड़कर बैठ गए।

ऑस्ट्रेलियाई ग्रां प्री के स्थगित होने के बाद बहरीन से शुरू होगा एफवन सत्र

लंदन,एजेंसी। कोरोना वायरस महामारी के कारण ऑस्ट्रेलियाई ग्रां प्री के मार्च से नवंबर के लिए स्थगित होने के बाद फामूर्ला वन रेस का आगामी सत्र एक सप्ताह की देरी से बहरीन से शुरू होगा। इससे पहले मेलबर्न में 21 मार्च को ऑस्ट्रेलियाई ग्रां प्री के साथ 2021 सत्र का आगाज होना था। एफवन के आयोजकों ने हालांकि कोविड-19 की मौजूदा स्थिति के मद्देनजर इस रेस को 21 नवंबर के लिए स्थगित कर दिया। चीन ग्रां प्री को भी स्थगित कर दिया गया है लेकिन उसकी नयी तारीखों की घोषणा नहीं हुई है। सत्र का आगाज 28 मार्च को बहरीन ग्रां प्री के साथ साखिर में शुरू होगा। पिछले साल नवंबर - दिसंबर में यहां 2020 सत्र के दो रेसों का आयोजन हुआ था। फामूर्ला वन से जारी बयान में कहा गया, यह सही फैसला है और हम नये कार्यक्रम में सहयोग के लिए फामूर्ला वन प्रबंधन का शुक्रिया अदा करते है।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग

कोहली को पछाड़कर स्मिथ दूसरे स्थान पर, पुजारा आठवें स्थान पर

दुबई, एजेंसी। भारतीय कप्तान विराट कोहली आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में तीसरे स्थान पर खिसक गए जबकि आस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ दूसरे स्थान पर आ गए। वहीं मध्यक्रम के बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा दो पायदान चढकर आठवें स्थान पर आ गए हैं। कोहली के ताजा रैंकिंग में 870 अंक हैं। वह पितृत्व अवकाश के कारण आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट के बाद स्वदेश लौट गए। उनकी पत्नी अनुष्का ने सोमवार को बेटी को जन्म दिया । स्मिथ 900 अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं जबकि शीर्ष पर न्यूजीलैंड के कप्तान केन

विलियमसन हैं जिनके 919 अंक हैं। स्मिथ ने सिडनी टेस्ट में 131 और 81 रन बनाये थे। विलियमसन ने पाकिस्तान के खिलाफ क्राइस्टचर्च टेस्ट में 238 रन की पारी खेली थी।

सॉरी सिराज और भारतीय टीम नस्लवाद स्वीकार्य नहीं : वॉर्नर

सिडनी, एजेंसी। आस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने भारतीय खिलाड़ियों खासकर मोहम्मद सिराज पर तीसरे टेस्ट के दौरान की गई नस्लवादी टिप्पणियों की निंदा करते हुए कहा कि दर्शकों का ऐसा बर्ताव स्वीकार्य नहीं है । पहली बार आस्ट्रेलिया दौरे पर गए सिराज के अलावा जसप्रीत बुमराह को भी लगातार दो दिन दर्शकों की नस्लीय टिप्पणियों का शिकार होना पड़ा । चौथे दिन तो कुछ देर खेल रोकना भी पड़ा जब भारतीय टीम ने अंपायरों से शिकायत की । इसके बाद छह दर्शकों को मैदान से निकाल दिया गया और क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने माफी मांगी । वॉर्नर ने इंस्टाग्राम पर लिखा , मैं मोहम्मद सिराज और भारतीय टीम से माफी मांगना चाहता हूं । नस्लवाद या दुर्व्यवहार कहीं भी और कभी भी स्वीकार्य नहीं है । उम्मीद है कि दर्शक आगे से बेहतर बर्ताव करेंगे । मैच के बारे में वॉर्नर ने कहा कि चोट के कारण पहले दो मैचों में बाहर रहने के बाद वापसी करके अच्छा लगा । उन्होंने कहा , वापसी करना बहुत अच्छा था । मैच का नतीजा अलबत्ता वैसा नहीं रहा, जैसा हम चाहते थे लेकिन यही टेस्ट क्रिकेट है । पांच दिन हमने अच्छी क्रिकेट खेली । लेकिन भारत को बधाई जिसने शानदार वापसी की । यही वजह है कि क्रिकेट से हमें इतना प्यार है, यह आसान खेल नहीं है । अब ब्रिसबेन में निर्णायक मैच पर नजर और वहां खेलने का अलग ही मजा है

सिडनी में काफी कुछ नहीं बदल सकते थे भारत को गाबा में हराएंगे: लाबुशेन

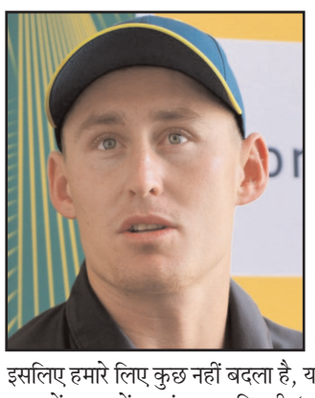

सिडनी, एजेंसी। आस्ट्रेलिया के शीर्ष बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन का मानना है कि भारत ने सिडनी टेस्ट के चौथे दिन जिस तरह टिककर बल्लेबाजी की उस स्थिति में उनके खिलाड़ी अधिक कुछ नहीं बदल सकते थे। उन्होंने हालांकि कहा कि मेजबान टीम ब्रिसबेन में भारत को हराकर श्रृंखला जीतने के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय बल्लेबाजों ने 407 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए शानदार बल्लेबाजी की बदौलत सिडनी टेस्ट ड्रॉ कराया। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर 91 और 73 रन की पारियां खेलने वाले लाबुशेन ने कहा, हमने आज (ड्रॉ) टेस्ट मैच खेला लेकिन यह टेस्ट श्रृंखला है और हम यहां जीतने के लिए हैं। उन्होंने कहा, इस मैच का नतीजा चाहे कुछ भी रहे, अगर हम जीत दर्ज करते या यह ड्रॉ था, हमें गाबा में जाना है और जीतना है। इसलिए हमारे लिए कुछ नहीं बदला है, यह बस अपना फोकस बदलने का मामला है और सुनिश्चित करना कि गाबा में हम उन्हें हराएं। हनुमा विहारी (161 गेंद में नाबाद 23) और रविचंद्रन अश्विन (128 गेंद में नाबाद 39) ने पांचवें दिन पूरे तीसरे सत्र में बल्लेबाजी की जबकि ऋषभ पंत (118 गेंद में 97 रन) और चेतेश्वर पुजारा (205 गेंद में 77 रन) ने 148 रन जोड़े जिससे भारत ने 131 ओवर में पांच विकेट पर 334 रन बनाए।

पेन ने सिडनी टेस्ट में खराब बर्ताव के लिए माफी मांगी

सिडनी, एजेंसी। आस्ट्रेलिया के कप्तान टिम पेन ने भारत के खिलाफ ड्रॉ हुए सिडनी टेस्ट के दौरान मैदान पर अपने बर्ताव के लिए माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि उनकी कप्तानी अच्छी नहीं थी और रविचंद्रन अश्विन से छींटाकशी करके वे बेवकूफ जैसे नजर आए। पेन को उस समय आलोचना का सामना करना पड़ा जब उन्होंने अश्विन के साथ छींटाकशी की जो चोटिल हनुमा विहारी के साथ मिलकर भारत को हार बचाने की कवायद में जुटे थे। आस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा कि मैच के दौरान कई बार उनका ध्यान भटका, वह गुस्से थे और उत्तेजित भी हुए। पेन को आनलाइन प्रेस कांफ्रेंस के लिए नहीं आना था लेकिन वह इसके लिए पहुंचे और कहा, मैंने कल मैच के बाद तुरंत उससे (अश्विन से) बात की, मैंने उससे कहा, देखो अंत में ऐसा लगा जैसे मैं बेवकूफ हूं, क्या मैंने ऐसा नहीं किया? आप मुंह खोलते हो और फिर कैच टपका देते हो। आस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा कि उन्होंने मीडिया से बात करने का फैसला किया क्योंकि उन्हें कल की कुछ बातें स्पष्ट करनी थी। उन्होंने कहा, ह्यह्यमैं इस टीम की अगुआई करने के अपने तरीके पर गर्व करता हूं इसलिए कल जैसे चीजें घटी उसके लिए माफी मांगना चाहता हूं।

ऑस्ट्रेलियन ओपन से हटे अमेरिका के जॉन इस्नर

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी जॉन इस्नर कोरोना वायरस के सख्त प्रोटोकॉल के कारण अगले महीने से होने वाले वर्ष के पहले ग्रैंड स्लेम ऑस्ट्रेलियन ओपन टूनार्मेंट से हट गए हैं क्योंकि इसमें खेलने से उन्हें अपने परिवार से दूर रहना पड़ेगा। 35 वर्षीय इस्नर ने डेलरे बीच ओपन के क्वार्टरफाइनल में अपनी हार के बाद संवाददाताओं से कहा, 'मेरे करियर और जीवन के इस पड़ाव पर मैं हमेशा अपने परिवार के साथ यात्रा करना चाहता हूं।' इस्नर के दो बच्चे हैं।

उल्लेखनीय है कि ऑस्ट्रेलियन ओपन के लिए खिलाड़ी इस सप्ताह मेलबोर्न पहुंच रहे हैं। ऐसे में विक्टोरिया की राज्य सरकार ने कहा है कि वह 8 से 21 फरवरी तक किसी भी टेनिस टूनार्मेंट पर कड़े प्रतिबंध लगा रही है। इसके मुताबिक मेलबोर्न पार्क में अभ्यास मैचों में भाग लेने से पहले खिलाड़ियों और अन्य स्टाफ को दो सप्ताह के लिए क्वारंटीन में रहना होगा। यहां पर 31 जनवरी से ऑस्ट्रेलियाई ओपन के अभ्यास टूनार्मेंट होने हैं। ऑस्ट्रेलिया आने वाले खिलाड़ियों के परिवार पर भी ये प्रतिबंध लागू होंगे। यही वजह है कि इस्नर ने टूनार्मेंट में भाग लेने के बजाय घर पर रहने का फैसला लिया है।

इसके अलावा ऑस्ट्रेलियाई ओपन के

आयोजकों के मुताबिक अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को सेरंडोलो और अमेरिका के डेनिस कुडला कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद कतर के दोहा में होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन क्वालीफाइंग टूनार्मेंट से हट गए हैं। कतर में यह टूनार्मेंट 10 से 13 जनवरी के बीच आयोजित किया गया है। टेनिस ऑस्ट्रेलिया ने एक बयान में कहा कि दोहा में ऑस्ट्रेलियन ओपन के लिए पुरुषों के क्वालिफाइंग टूनार्मेंट में भाग लेने वाले दो खिलाड़ी कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। दोनों खिलाड़ियों को टूनार्मेंट से हटा दिया गया है और एक होटल में क्वारंटीन में भेज दिया गया है।

श्रीसंत ने 7 साल बाद मैदान पर वापसी कर किया ऐसा प्रदर्शन, टीम को भी मिली जीत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज एस श्रीसंत का प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में 7 साल के बाद वापसी हुई। सैयद मुश्ताक अली टूर्नामेंट 2021 में वो अपनी घरेलू टीम केरल का प्रतिनिधित्व करते नजर आए और उन्होंने इस टूर्नामेंट का पहला मुकाबला पुदुचेरी के खिलाफ खेला। इस मुकाबले में पुदुचेरी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पुदुचेरी के खिलाफ एस श्रीसंत ने अच्छी गेंदबाजी की और अपना स्पेल पूरा हो के बाद वो इमोशनल नजर आए और पिच को हाथ जोड़ते नजर आए। सात साल के बाद जिस तरह से श्रीसंत ने वापसी की वो शानदार रहा और उन्होंने अपने 4 ओवर के स्पेल में 29 रन दिए और एक विकेट हासिल किया। उन्होंने पुदुचेरी के ओपनर बल्लेबाज फाबिद अहमद को 10 रन पर आउट किया। इस मैच में पुदुचेरी ने पहले खेलते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 138 रन बनाए। इसके

जवाब में केरल की टीम ने 18.2 ओवर में 4 विकेट पर 139 रन बनाकर मैच 6 विकेट से जीत लिया। सोमवार को खेले गए इस मैच में केरल की तरफ से ओपनर रॉबिन उथप्पा ने 21 रन, मो. अजहरुद्दीन ने 30 रन, कप्तान संजू सैमसन ने 32 रन बनाकर टीम की जीत में बड़ी भूमिका निभाई। वहीं इस जीत के बाद श्रीसंत ने ट्वीट करते हुए फैंस का शुक्रिया अदा किया।

उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा कि, आपको सपोर्ट और प्यार के लिए बहुत धन्यवाद, ये तो सिर्फ शुरूआत है। आप सबकी दुआओं की मुझे जरूरत है और आपको व आपके परिवार के लिए बहुत सारी रिस्पेक्ट। आपको बता दें कि एस श्रीसंत टीम इंडिया के लिए अपना आखिरी मैच वनडे वर्ल्ड कप 2011 में खेला था। वो 2007 में टी20 वर्ल्ड कप व 2011 में वनडे वर्ल्ड कप विनर टीम के सदस्य भी रह चुके हैं। साल 2013 में वो आइपीएल के दौरान स्पॉट फिक्सिंग के दोषी पाए गए थे जसके बाद उन पर आजीवन बैन लगाया गया था, लेकिन कोर्ट ने उसे घटाकर 7 साल का कर दिया था और पिछले साल अक्टूबर में उनका बैन खत्म हो गया

वेस्टहैम ने एफए कप में स्टॉकपोर्ट को हराया

स्टॉकपोर्ट,एजेंसी। वेस्टहैम ने अंतिम मिनटों में दागे गोल की बदौलत एफए कप फुटबॉल टूनार्मेंट के तीसरे दौर में पांचवें टीयर टीम स्टॉकपोर्ट को 1-0 से हराया। मैच का एकमात्र गोल 83वें मिनट में क्रेग डॉसन ने किया। डॉसन ने जेरोड बोवेन को क्रॉस को हेडर से गोल में पहुंचाया।

ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में नस्लीय टिप्पणियां आम, इसे रोका जाना चाहिये: गंभीर

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने मंगलवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों में क्रिकेटरों पर नस्लवादी टिप्पणियां करने घटनाएं बहुत होती हैं और इसे रोका जाना चाहिए। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सिडनी में खेला गया टेस्ट श्रृंखला का तीसरा मैच रोमांचक प्रतिस्पर्धा के साथ खिलाड़ियों पर की गयी नस्लीय टिप्पणियों के कारण सुर्खियों में रहा। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह के खिलाफ मैच के तीसरे और चौथे दिन ऐसी टिप्पणियां की गयी। भारतीय टीम ने मैदानी अंपायर से इसकी शिकायत की जिसके बाद छह दर्शकों को स्टेडियम से बाहर कर दिया गया। गंभीर ने स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम क्रिकेट कनेक्टेड में कहा,यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है और यह ऐसी चीज है जो किसी भी खेल में बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है। सिर्फ क्रिकेट ही नहीं, बल्कि किसी भी खेल में , और मेरा मानना है कि इसके खिलाफ सख्त कानून बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, जब यह किसी खिलाड़ी के साथ होता है, तो केवल वही इसे महसूस करता है। आप दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया जैसी जगहों पर बॉक्सिंग डे टेस्ट जैसा अहम मुकाबला खेलते समय ऐसे अपशब्दों का सामना करते है।